वर्ष : 27 अंक : 59 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, मंगलवार, 18 फरवरी, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

उप्र विधानमंडल का बजट सत्र शुरू

राज्यपाल वापस जाओ, हाथों में अस्थि कलश, जंजीरों से बंधा विधायक

विधानसभा में भारी हंगामा, सदन के बाहर विपक्ष का धरना

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश यूपी विधानमंडल का बजट सत्र आज से शुरू हो रहा है। पहले दिन विधानसभा और विधान परिषद के संयुक्त सदन को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल संबोधित किया। इस दौरान राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान विपक्ष के विधायकों ने राज्यपाल वापस जाओ के नारे लगाए। विपक्ष के विधायक बेल में उतरकर नारेबाजी करने लगे जिसके चलते सदन की कार्यवाही कुछ समय के लिए बाधित हुई। 20 फरवरी को वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए आम बजट पेश किया जाएगा। (शेष पृष्ठ-4 पर)

हार की खुन्नस सदन में न निकालें : योगी

बजट सत्र को लेकर सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सदन चलाना सिर्फ सत्ता पक्ष की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि विपक्ष का भी दायित्व है। उम्मीद करते हैं विपक्ष हार की हताशा से परेशान होकर सदन की कार्यवाही बाधित नहीं करेगा. हार की खुन्नस सदन में नहीं निकालेगा. वैसे भी विपक्ष के हर सवाल का जवाब दिया जाएगा, सार्थक चर्चा होनी चाहिए. संसदीय आचरण का पालन करना चाहिए।

मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 20 फरवरी को सदन में उत्तर प्रदेश का वर्ष 2025-26 का आम बजट पेश किया जाएगा. सत्र 18 फरवरी से 5 मार्च तक प्रस्तावित किया गया है। उत्तर प्रदेश के इतिहास में ऐसे बहुत कम अवसर आए हैं जब इतने लंबे समय तक सत्र आहूत किया गया हो। लेकिन सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से पूरी होनी चाहिए. यह केवल सत्ता पक्ष की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि विपक्ष की भी उतनी ही महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है. सदन चर्चा का मंच बनना चाहिए। पिछले करीब 8 वर्षों में डबल इंजन वाली भारतीय जनता पार्टी सरकार ने उत्तर प्रदेश के विकास के जो मानक स्थापित किए हैं, वे अभूतपूर्व हैं। इसकी झलक अभिभाषण के साथ-साथ सदन के अंदर चर्चाओं के जरिए भी देखने को मिलती है। स्वाभाविक रूप से हताश और निराश विपक्ष इन मुद्दों पर चर्चा करने से भागने की कोशिश करता है और इसमें बाधाएं खड़ी करने की कोशिश करता है सदन की कार्यवाही में विपक्ष की भूमिका महत्वपूर्ण है. अगर विपक्ष सार्थक चर्चा को आगे बढ़ाने में मदद करता है, तो मेरा अनुमान है कि यह सत्र बहुत अच्छा हो सकता है।

जंजीर में बंधकर सामने आए सपा विधायक

इस बीच समाजवादी पार्टी के विधायक अतुल प्रधान खुद को जंजीर में बांधकर लोगों के सामने आए। अतुल प्रधान का कहना है कि अमेरिका से डिपोर्ट किए गए भारतीयों का अपमान हुआ है. उसी को दिखाने के लिए मैंने यह जंजीर पहन रखी है, जिसके भार को सहना मुश्किल हो रहा है. आखिर उन भारतीयों ने इस जंजीर को कैसे पहना होगा।

'रणवीर इलाहबादिया के दिमाग में गंदगी भरी हुई है'

इंडिया गॉट टैलेंट शो पर लगे पाबंदी रणबीर जमा करें पासपोर्ट : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूट्यूबर रणवीर इलाहबादिया द्वारा समय रैना के शो इंडियाज गॉट लेटेंट में पेरेंट्स को लेकर भद्दा मजाक करने के मामले पर सुप्रीम कोर्ट मे सुनवाई चल रही है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने रणबीर को कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने रणबीर को सशर्त गिरफ्तारी से राहत दी है।

रणवीर इलाहबादिया ने शो पर जो बयान दिया, उसपर कोर्ट ने नाराजगी जाहिर की। वहीं, कोर्ट ने रणवीर द्वारा किए गए कमेंट्स पर फटकार भी लगाई। कोर्ट ने कहा कि इनके दिमाग में गंदगी भरी है। ऐसे व्यक्ति का केस हम क्या सुनें।

बता दें कि स्टैंडअप कॉमेडियन समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' में रणवीर इलाहबादिया बतौर गेस्ट जज शामिल हुए थे। इस एपिसोड में उन्होंने कंटेस्टेंट से उसके पेरेंट्स की सेक्स लाइफ पर विवादित सवाल पूछे थे। रणवीर के इस सवाल के क्लिप सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ। वायरल वीडियो पर लोगों को गुस्सा फूट पड़ा। असम से लेकर जयपुर तक रणवीर इलाहबादिया पर मामले दर्ज किए जा चुके हैं।

आज इस पर कोर्ट में सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट से भारी फटकार के बाद यूट्यूबर को गिरफ्तारी से सशर्त राहत मिली है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने इंडिया गॉट लेटेंट शो करने पर पाबंदी लगाने के साथ रणवीर का पासपोर्ट जब्त करने के आदेश दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने यूट्यूबर को उनके द्वारा किए गए वल्गर कमेंट के लिए फटकार लगाई है। कोर्ट ने दो टूक कहा है कि इनके दिमाग में गंदगी भरी है। ऐसे व्यक्ति का केस हम क्यों सुनें। पॉपुलर होने का मतलब ये नहीं कि आप कुछ भी टिप्पणी करें। आप लोगों के माता पिता की बेइज्जती कर रहे हैं। ऐसा लगता है कि आपके दिमाग में कुछ गन्दगी है। जिस विकृत मानसिकता का प्रदर्शन किया गया है, (शेष पृष्ठ-4 पर)

ज्ञानेश कुमार होंगे देश के अगले मुख्य चुनाव आयुक्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के अगले मुख्य चुनाव आयुक्त के नाम की घोषणा कर दी गई है। 1988 बैच के केरल कैडर के आईएएस अधिकारी ज्ञानेश कुमार देश के अगले मुख्य चुनाव आयुक्त होंगे। आईएएस ज्ञानेश कुमार 19 फरवरी 2025 को पदभार संभालेंगे।

मुख्य चुनाव आयुक्त की आज घोषणा कर दी गई। इस संबंध में राष्ट्रपति के सचिव डा. राजीव मणी ने गजट जारी किया है।

ज्ञानेश कुमार 1988 बैच के केरल कैडर के अधिकारी हैं। ज्ञानेश कुमार की पुत्री और दामाद दोनों यूपी कैडर के IAS अधिकारी हैं। उनकी पुत्री आईएएस मेधा रूपम इस समय DM कासगंज के पद पर तथा दामाद मनीष बंसल DM सहारनपुर के पद पर तैनात हैं। आईएएस मेधा रूपम ने ग्रेटरनोएडा प्राधिकरण में एसीईओ का भी कार्यभार संभाला था। आईएएस ज्ञानेश कुमार ने आईआईटी कानपुर से सिविल इंजीनियरिंग में बीटेक किया है। इसके बाद आईसीएफएआई, इंडिया से बिजनेस फाइनेंस और एचआईआईडी, हार्वर्ड यूनिवर्सिटी, यूएसए से पर्यावरण अर्थशास्त्र की पढ़ाई की है।

डीएम कासगंज मेधा रूपम के पिता हैं अगले मुख्य चुनाव आयुक्त

क्रिकेट का बैट मारकर की हत्या

मैंदान में झगड़े के बाद युवकों ने बोला हमला

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना सूरजपुर क्षेत्र में क्रिकेट खेलने के दौरान हुए झगड़े में कुछ लड़कों ने क्रिकेट के बैट से एक व्यक्ति की बेरहमी से हत्या कर दी। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को हिरासत में लिया है।

थाना सूरजपुर पुलिस को जानकारी मिली कि कस्बा सूरजपुर में एक व्यक्ति मृत अवस्था में मिला है। सूचना पर थाना सूरजपुर पुलिस मौके पर पहुंची। जांच के दौरान मृतक की पहचान मनीष कुमार शर्मा पुत्र ओमप्रकाश शर्मा (32 वर्ष) निवासी कस्बा व थाना सूरजपुर के रूप में हुई। जांच के दौरान पता चला कि मनीष कुमार का झगड़ा मैदान पर क्रिकेट खेल रहे कुछ लड़कों के साथ हुआ था तथा आरोपियों द्वारा क्रिकेट बैट मारकर उसकी हत्या की गई है।

पुलिस ने शव का पंचायतनामा भरकर अग्रिम विधिक कार्रवाई के लिए भेज दिया है। फोरेंसिक टीम द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण किया है। एफआईआर दर्ज कर 3 आरोपियों को हिरासत में लिया गया है।

महिला के साथ गायब हुआ नाबालिग छात्र

नोएडा (चेतना मंच)। पंचशील बालक इंटर कॉलेज में पढ़ने वाला 11वीं कक्षा का छात्र पिछले कुछ दिनों से गायब है। गायब छात्र के पिता ने थाना फेस-2 में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसका बेटा 2 फरवरी को अपने साथियों के साथ प्रयागराज के महाकुंभ में गया था। उसके बाद वह न तो घर वापस लौटा और न ही हॉस्टल। उन्होंने पड़ोस में रहने वाली एक महिला पर शक जताते हुए एफआईआर दर्ज कराई है। थाना फेस-2 में सौरभ पंवार निवासी बुलंदशहर ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उनका बेटा पंचशील बालक इंटर कॉलेज में 11वीं कक्षा का छात्र है और कॉलेज के हॉस्टल में ही रहता है। प्रयागराज से लौटने के बाद न तो वह हॉस्टल गया और न ही घर। उन्होंने रिपोर्ट में कहा है कि उनके घर के पास ही शालू नामक एक महिला रहती है जिसका उनके बेटे से मेल-जोल था। जिस दिन से उनका बेटा लापता है उसी दिन से शालू भी गायब है और उसका मोबाइल भी बंद है।

कॉलोनाइजर ने बेच दी प्राधिकरण की जमीन डाला जा रहा है लेंटर

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में बड़े पैमाने पर कॉलोनाइजर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के द्वारा अधिग्रहित जमीन को बेच रहे हैं। इन जमीनों पर अवैध निर्माण किया जा रहा है। ऐसा ही एक बड़ा मामला थाना बादलपुर क्षेत्र के छपरौला में सामने आया है।

थाना बादलपुर में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सहायक प्रबंधक वर्क सर्किल-1 राजीव कुमार ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि ग्राम छपरौला प्राधिकरण का अधिसूचित क्षेत्र है इसके खसरा नंबर 372 में बिना प्राधिकरण की अनुमति लिए लेंटर डाटने का काम किया जा रहा है। इस अवैध निर्माण को रोकने के लिए जब वह स्वयं तथा वरिष्ठ प्रबंधक ऋतिक व अन्य स्टाफ पहुंचे तो पता चला कि वीरेन्द्र सिंह पुत्र रामसिंह निवासी छपरौला द्वारा अवैध निर्माण किया जा रहा है। रामसिंह ने बताया कि यह प्लॉट उन्होंने कॉलोनाइजर परविंदर शर्मा से खरीदा है। उन्होंने कॉलोनाइजर व अवैध निर्माण करने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कड़ी कार्यवाही की मांग की है।

छोटे व्यापारियों को सुविधा दे जीएसटी विभाग : विकास जैन

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-148ए स्थित जीएसटी कार्यालय में व्यापारियों संग बैठक हुई। बैठक में उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन ने अधिकारियों के समक्ष छोटे व्यापारियों से जुड़ी कई मांगें रखीं।

विकास जैन ने मांग रखी कि छोटे व्यापारियों को जीएसटी में कम कागजों के आधार पर पंजीकरण की सुवधि दी जाए। विभाग के सचल दल के अधिकारियों के वाहनों पर नंबर लिखे जाएं। सभी वाहनों पर हेल्प लाइन नंबर अंकित किया जाए। छोटे ग्रुप होने पर व्यापारियों के वाहनों को छोड़ दिया जाए।

बैठक की अध्यक्षता एडीशनल कमिश्नर, ग्रेड-2 (S.I.B.) विवेक आर्य द्वारा की गई। लघु उद्योग भारती के अध्यक्ष एल0बी0 सिंह ने व्यापारियों के समक्ष आ रही कठिनाईयों को रखा।

उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मण्डल के अध्यक्ष विकास जैन, एन0ई0ए0 के सचिव आलोक गुप्ता, I.E.A. के संजीव शर्मा, राकेश कुमार अग्रवाल, मनोज गोयल, मनोज सिंघल, शक्ति सिंह, नवनीत गुप्ता, अनमोल कुमार आदि उद्यमी उपस्थित रहे। बैठक में राज्य कर विभाग के ज्वाईंट कमिश्नर (कार्यपालक) (शेष पृष्ठ-4 पर)

दिल्ली की तर्ज पर वसूला जाएगा पानी का बिल!

वाटर मीटर लगाने की तैयारी पूरी, सेक्टरों में लगेंगे 84 हजार मीटर

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण आपूर्ति होने वाले जल की बर्बादी रोकने तथा शत प्रतिशत शुल्क की वसूली के लिए वाटर मीटर लगाने के लिए युद्धस्तर पर तैयारी कर रहा है। हालांकि ट्रॉयल के तौर पर 5 हजार मीटर लगाये जा चुके हैं। वहीं अब विभिन्न सेक्टरों में करीब 84 हजार मीटर लगाने की तैयारी की जा रही है। जल शुल्क के लिए दिल्ली की तर्ज पर शुल्क चार्ट बनाने की तैयारी चल रही है। दिल्ली के शुल्क में मामूली संशोधन करके शुल्क लगाया जा सकता है।

नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डा. सीईओ लोकेश एम ने बताया कि प्राधिकरण की टीम ने दिल्ली समेत कई अन्य राज्यों के टैरिफ का अध्ययन किया। दिल्ली से सटे होने के चलते यहां वहीं टैरिफ लागू करने का प्लान बना है। इसके अलावा प्रॉपर्टी की श्रेणी यानी कामर्शियल, इंडस्ट्रियल, आवासीय, इंस्टीट्यूशनल आदि पर फिक्स चार्ज होगा। इस फिक्स चार्ज के बाद प्रतियूनिट के हिसाब से पानी का बिल जमा करना होगा। हालांकि इसमें प्रति माह पानी फ्री देने का प्लान भी शामिल किया जा रहा है। जिसके ऊपर प्रयोग करने पर बिल देना होगा।

नोएडा में प्रॉपर्टी की सात श्रेणियां है। इंडस्ट्री में 9925 है, संस्थागत में 1500, रेजिडेंशियल प्रॉपर्टी 23874 , ग्रुप हाउसिंग 12254, हाउसिंग करीब 32 हजार, कॉमर्शियल 4756 और ग्रामीण 3480 प्रॉपर्टी है। अब इन श्रेणियों को उप श्रेणियों में विभाजित किया गया। यानी हाउसिंग में एमआईजी, एलआईजी, श्रमिक कुंज, एचआईजी। इसी तरह इंडस्ट्री में 30 वर्गमीटर से लेकर 25 हजार और इससे बड़े भूखंड की श्रेणी भी है। इस तरह कुल 20 से ज्यादा श्रेणियां बनाई गई है। जिनका अलग-अलग कनेक्शन चार्ज और बिल मंथली फिक्स है।

प्राधिकरण के महाप्रबंधक (जल) आर.पी. सिंह ने बताया कि नोएडा में ये मानकर चलते है चार से पांच लोगों का एक परिवार है। जो रोजाना करीब 200 लीटर पानी प्रयोग करता है। इसी तरह सोसायटी में जिसके फ्लैट है और कितना पानी यहां रोजाना यूज हो रहा है। (शेष पृष्ठ-4 पर)

फूहड़ भाषा

हाल के दिनों में सोशल मीडिया से जुड़े प्लेटफॉर्मों के कार्यक्रमों में स्वेच्छाचारिता और वर्जनाएं तोड़ने के अनगिनत मामले प्रकाश में आए हैं। जो भारतीय सामाजिक व पारिवारिक मूल्यों का अतिक्रमण करते हुए अराजक व्यवहार कर रहे हैं। पिछले दिनों संसद से लेकर सड़क तक यूट्यूब पर प्रसारित एक फूहड़ व अभद्र कार्यक्रम के खिलाफ कार्रवाई की मांग गूंजती रही, जिसमें अभद्रता से सामाजिक मर्यादा की सीमाएं लांघने की कुत्सित कोशिश हुई। पिछले दिनों कॉमेडियन समय रैना के यूट्यूब शो 'इंडियाज़ गॉट टैलेंट' में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर व यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया ने एक अश्लील, अभद्र व अमर्यादित टिप्पणी की। इस बदमिजाज यूट्यूबर ने शो के एक प्रतिभागी के माता-पिता के अंतरंग पलों के बारे में घोर निंदाजनक प्रश्न किए। जैसा अपेक्षित था, भारतीय परिवार व सांस्कृतिक मूल्यों पर हमला करने वाली टिप्पणी पर देश में भारी विवाद हुआ। देश के विभिन्न भागों में इस मामले में शिकायतें दर्ज की गईं, और राष्ट्रीय महिला आयोग ने ऐसे कार्यक्रमों के नियमन की मांग करते हुए कार्रवाई की सिफारिश की। साथ ही राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने यूट्यूब से इस विवादित कार्यक्रम को हटाने के निर्देश दिए। देश के राजनीतिक क्षेत्रों में भी इस विवाद को लेकर तीखी टिप्पणियां सामने आईं। इस विवाद ने देश में इस बहस को एक बार फिर तेज किया कि सामाजिक मूल्यों को लेकर अभिव्यक्ति की आजादी की सीमा के निर्धारण और डिजिटल कंटेंट निर्माताओं की जवाबदेही कैसे तय की जाए। साथ ही रचनात्मक अभिव्यक्ति तथा सार्वजनिक शिष्टाचार में सामंजस्य कैसे बनाया जाए। दरअसल, सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्मों पर लाइक और फॉलोअर्स बढ़ाने के लिये तमाम फूहड़ व तल्खीभरे कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया जाता है, ताकि इससे यूट्यूबरों की आय बढ़ सके। बदलते वक्त की विडंबना यह है कि धीर-गंभीर व उपयोगी कार्यक्रमों को दर्शकों का वह प्रतिसाद नहीं मिलता, जो ऊल-जलूल कार्यक्रमों को मिलता है। इन कार्यक्रमों के ज्यादा देखे जाने से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों का विज्ञापन भी बढ़ता है। इसी होड़ में अमर्यादित और विवादास्पद कार्यक्रमों की श्रृंखला का जन्म होता है। ऐसे में सवाल उठाया जा रहा है कि क्या सोशल मीडिया नियमन को लेकर बने कानून इस अराजकता पर अंकुश लगाने में सक्षम हैं? क्या इलेक्ट्रानिक माध्यमों के जरिये प्रसारित सामग्री पर सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम को सख्त बनाने की जरूरत है? क्या अश्लील अभिव्यक्ति को दंडनीय बनाने के लिये सख्त कानूनों की जरूरत है? सवाल यह भी है कि हंसी मजाक के कार्यक्रमों के लिये सामाजिक मर्यादाओं की सीमा कैसे तय की जाए? जाहिर है अब वक्त आ गया है कि मनोरंजक हास्य कार्यक्रमों और आपत्तिजनक कंटेंट के बीच सीमा का निर्धारण किया जाए। निस्संदेह, किसी लोकतांत्रिक देश में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता अपरिहार्य शर्त है, लेकिन इसका अर्थ यह कदापि नहीं है कि हम तमाम सामाजिक व पारिवारिक मर्यादाओं को ताक पर रख दें। किसी भी सूरत में सोशल मीडिया को एंटी सोशल अभिव्यक्ति की आजादी नहीं दी जा सकती। निस्संदेह, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों को कंटेंट के बाबत जवाबदेह बनाने की जरूरत है। इसके संचालकों को चाहिए कि रचनात्मक स्वतंत्रता के नाम पर सार्वजनिक शिष्टाचार का अतिक्रमण न करें।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि हे नाथ! आपकी कृपा से अब मेरा विषाद जाता रहा और आपके चरणों के अनुग्रह से मैं सुखी हो गई। यद्यपि मैं स्त्री होने के कारण स्वभाव से ही मूर्ख और ज्ञानहीन हूँ, तो भी अब आप मुझे अपनी दासी जानकर॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

प्रथम जो मैं पूछा सोइ कहहू। जौं मो पर प्रसन्न प्रभु अहहू॥
राम ब्रह्म चिनमय अबिनासी। सर्ब रहित सब उर पुर बासी॥

हे प्रभो! यदि आप मुझ पर प्रसन्न हैं, तो जो बात मैंने पहले आपसे पूछी थी, वही कहिए। (यह सत्य है कि) श्री रामचन्द्रजी ब्रह्म हैं, चिन्मय (ज्ञानस्वरूप) हैं, अविनाशी हैं, सबसे रहित और सबके हृदय रूपी नगरी में निवास करने वाले हैं॥

नाथ धरेउ नरतनु केहि हेतू। मोहि समुझाइ कहहु बृषकेतू॥
उमा बचन सुनि परम बिनीता। रामकथा पर प्रीति पुनीता॥

फिर हे नाथ! उन्होंने मनुष्य का शरीर किस कारण से धारण किया? हे धर्म की ध्वजा धारण करने वाले प्रभो! यह मुझे समझाकर कहिए। पार्वती के अत्यन्त नम्र वचन सुनकर और श्री रामचन्द्रजी की कथा में उनका विशुद्ध प्रेम देखकर- ॥

दो0-हियँ हरषे कामारि तब संकर सहज सुजान।
बहु बिधि उमहि प्रसंसि पुनि बोले कृपानिधान॥

तब कामदेव के शत्रु, स्वाभाविक ही सुजान, कृपा निधान शिवजी मन में बहुत ही हर्षित हुए और बहुत प्रकार से पार्वती की बड़ाई करके फिर बोले- ॥

(क्रमशः...)

आखिर कौन, कैसे और कब तक पाएगा भगदड़ पर काबू?

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर 15 फरवरी शनिवार की रात प्रयागराज महाकुंभ जाने को उतावली भीड़ ने ऐसी भगदड़ मचाई कि लगभग डेढ़ दर्जन लोगों की जान चली गई, जबकि दर्जनाधिक घायल भी हुए। इस बार भी मृतकों में महिलाओं (10) और बच्चों (3) की संख्या ज्यादा रही, जबकि पुरुषों (2) की संख्या उनसे कम रही। वहीं, दर्जनाधिक घायलों में भी लगभग 14 महिलाएं समेत कुल 25 लोग शामिल हैं। ये महज आंकड़े नहीं हैं, बल्कि हमारी संवेदनाशून्य व्यवस्था की विफलता के नमूने मात्र हैं। ऐसी घटनाओं पर आखिर कौन, कैसे और कबतक काबू पाएगा, यह यक्ष प्रश्न ब्रेक के बाद पुनः समुपस्थित है।

ऐसा इसलिए कि भारत में पिछले कुछ वर्षों में भगदड़ के कई मामले सामने आए हैं। वहीं, इस बार तो महज एक महीने के अंदर ही भगदड़ के दो-दो मामले सामने आ चुके हैं, जो कि प्रशासन के लिए चिंता का विषय है। सवाल है कि जब महाकुंभ की तैयारियों को लेकर उत्तरप्रदेश प्रशासन लगातार डींगें हांक रहा था और केंद्र सरकार अपनी पीठ थपथपा रही थी, तब ऐसी हृदयविदारक घटनाओं का घटित होना उसकी तमाम व्यवस्थाओं पर सवालिया निशान लगा जाता है। सवाल यह भी है कि तमाम सकारात्मक राजनीतिक इच्छाशक्ति के बावजूद इतनी बड़ी प्रशासनिक चुकें कैसे हो गईं।

हैरत की बात तो यह है कि प्रारम्भिक तौर पर मीडिया माध्यमों में रेलवे के अधिकारी-कर्मचारी ऐसी किसी घटना व हताहतों के बारे में इंकार कर रहे थे, लेकिन सच्चाई अंत में उन्हें भी बयां करनी ही पड़ी। इससे समझा जा सकता है कि उनका सूचना तंत्र कितना विफल या फिर लोकहित विरोधी है। भले ही इन घटनाओं पर बड़े नेतागण और अधिकारियों के द्वारा खेद प्रकट किया गया हो, जिनके पास वैध टिकट होंगे, उन्हें रेलवे क्लेम ट्रिब्यूनल से मुआवजे भी मिल जाएंगे। लेकिन इससे उन परिवारों की व्यथा कम नहीं हो जाती, जिन्होंने अपने परिजनों को खोया है या फिर जिनके परिजन अस्पताल में जिंदगी और मौत से जूझ रहे हैं।

बताया गया है कि सभी लोग नई दिल्ली रेलवे स्टेशन में प्रयागराज के लिए ट्रेन पकड़ने के लिए खड़े हुए थे। तभी ट्रेन सम्बन्धी उद्घोषणा के बाद प्लेटफार्म पर अफरातफरी और भगदड़ मच गई। ऐसे में सवाल है कि देश की राजधानी नई दिल्ली जैसे मुख्य रेलवे स्टेशन पर रेल प्रशासन ने समुचित व्यवस्था क्यों नहीं की थी। अब भले ही इसकी जांच होगी, पर परिणाम ढाक के तीन पात जैसे ही होंगे!

जाहिर है कि भीड़ और भगदड़ में अन्योन्याश्रय का सम्बन्ध है। लेकिन इनके नियंत्रण के समुचित उपाय कब तक दिखेंगे, किनके नेतृत्व में सब होगा, कुछ पता नहीं। तब तक ब्रेक के बाद होने वाले हादसों पर सवाल उठाते रहिए, चुनाव दर चुनाव राजनीतिक नेतृत्व बदलते रहिए, लेकिन ये अधिकारी हैं, जिनका सिर्फ तबादला होगा। क्योंकि उनकी जानलेवा लापरवाहियों के बावजूद उन्हें जिम्मेदार ठहराने के कानूनी प्रबंध नदारत हैं।

बता दें कि गत 29 जनवरी 2025 को प्रयागराज में महाकुंभ मेला 2025 में मौनी अमावस्या से ठीक पहले भी एक दुःखद भगदड़ मची थी, जहां लगभग 30 लोगों की मौत हो गई थी और तकरीबन 60 लोग घायल हो गए थे।

दरअसल, महाकुंभ मेले में ये हादसा 29 जनवरी के तड़के हुआ था, जब सभी लोग संगम नोज की तरफ नहाने के लिए जा रहे थे। तब यहां भी लाखों लोगों की भीड़ बेकाबू हो चुकी थी। जिसके बाद आनन-फानन में वीवीआईपी व्यवस्था बदल दी गई और अखाड़ों ने भी मौनी अमावस्या के लिए अपने पारंपरिक 'अमृत स्नान' को रद्द कर दिया और दोपहर बाद 'अमृत स्नान' किया। इससे भी धार्मिक आयोजनों में भीड़ प्रबंधन सम्बन्धी सवाल उठे थे। यहां भी एक न्यायिक जांच आयोग का गठन करके प्रशासनिक खाना पूर्ति कर दी गई है। इसलिए भीड़ नियंत्रण सम्बन्धी विफलताओं पर जनसामान्य की चिंता ज्यादा बढ़ गई है।

वहीं, गत 8 जनवरी, 2025 को आंध्र प्रदेश के तिरुपति में मची भगदड़ में कम से कम 6 भक्तों की मौत हो गई थी, जबकि दर्जनों लोग घायल हो गए थे, क्योंकि सैकड़ों लोग तिरुमाला पहाड़ियों पर भगवान वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में वैकुंठ द्वार दर्शनम के लिए टिकट पाने के लिए धक्का-मुक्की कर रहे थे। बताया गया था कि तब 10 जनवरी से शुरू होने वाले 10 दिवसीय वैकुंठ द्वार दर्शनम के लिए देश भर से सैकड़ों भक्त यहां आए थे।

यदि आप पिछले कुछ वर्षों में भारत में हुई प्रमुख भगदड़ की घटनाओं की सूची खंगालेंगे तो पता चलेगा कि साल-दो साल बाद ऐसी घटनाओं की एक लंबी फेहरिस्त है। यदि पिछले दो दशकों की प्रमुख भगदड़ सम्बन्धी घटनाओं पर गौर करें तो 27 अगस्त, 2003 को महाराष्ट्र के नासिक में कुंभ मेले में भगदड़ के दौरान जहां 39 लोगों की मौत हो गई थी वहीं, 140 अन्य घायल हो गए थे। इसी प्रकार 25 जनवरी, 2005 को महाराष्ट्र के

सतारा जिले के वाई शहर स्थित मंधारदेवी मंदिर में भगदड़ के दौरान 300 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 100 अन्य लोग घायल हो गए थे।

वहीं, 3 अगस्त, 2008 को हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर में नैना देवी मंदिर में भगदड़ के दौरान 162 लोगों की मौत हो गई थी। जबकि सैकड़ों की संख्या में लोग घायल हुए थे। तब यहां पहाड़ी की चोटी पर स्थित नैना देवी मंदिर में भूस्खलन की अफवाह के कारण मची भगदड़ मच गई थी। वहीं, 30 सितंबर, 2008 को राजस्थान के जोधपुर में चामुंडा देवी मंदिर में नवरात्रि के दौरान भगदड़ मचने पर 250 लोगों की मौत कुचले जाने से हो गई थी। क्योंकि इस दौरान भारी संख्या में तीर्थयात्री इकट्ठा हुए थे।

वहीं, 4 मार्च, 2010 को उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में कृपालु महाराज के राम जानकी मंदिर में 63 लोगों की मौत हो गई थी। इसमें अधिकतर बच्चे शामिल थे। इस मंदिर में मुफ्त भोजन और कपड़े के लिए हुई भारी भीड़ के कारण भगदड़ हुई थी। इसके अलावा, 15 जनवरी, 2011 को केरल के इडुक्की जिले के पुलमेडु में एक जीप के घर जा रहे तीर्थयात्रियों से टकरा जाने के कारण मची भगदड़ में कम से कम 104 सबरीमाला भक्त स्वर्गलोक सिधार गए थे, जबकि 40 से अधिक घायल हो गए थे।

इसके अलावा, 8 नवंबर, 2011 को उत्तराखंड के हरिद्वार में गंगा घाट स्थित हर-की-पौड़ी में 20 लोगों की मौत हो गई थी। जबकि 19 नवंबर, 2012 को पटना के अदालत घाट पर एक अस्थायी पुल पर भीड़ के चढ़ जाने से उसके ढह जाने से 20 लोगों की मौत हो गई थी। वहीं, फरवरी 2013 को उत्तर प्रदेश में कुंभ मेले के सबसे व्यस्त दिन प्रयागराज रेलवे स्टेशन में भगदड़ हो गई थी। इस हादसे में कम से कम 36 हिंदू तीर्थयात्रियों की जान चली गई थी। मृतकों में 27 महिलाएं थीं, जिनमें एक आठ साल की बच्ची भी शामिल थी।

वहीं, 13 अक्टूबर, 2013 को मध्य प्रदेश के दतिया जिले में रतनगढ़ मंदिर के पास मची भगदड़ में 115 लोगों की मौत हो गई थी और 100 से अधिक घायल हो गए थे। तब यहां मंदिर में देवी दुर्गा की नौ दिवसीय पूजा-अर्चना के लिए 1,50,000 से अधिक लोग एकत्रित हुए थे। वहीं, 3 अक्टूबर, 2014 को पटना के गांधी मैदान में 30 लोगों की मौत हो गई थी तथा 26 अन्य लोग घायल हो गए थे।

इसी प्रकार, 14 जनवरी, 2015 को आंध्र प्रदेश के राजमुंदरी में गोदावरी नदी के तट पर मची भगदड़ में 26 लोगों की मौत हो गई थी। जबकि 1 जनवरी, 2022 को जम्मू-कश्मीर में माता वैष्णो देवी मंदिर में एक दर्जन से अधिक लोगों की मौत ऐसी ही एक जानलेवा भगदड़ में हो गई थी। वहीं, 31 मार्च, 2023 को मध्य प्रदेश के इंदौर शहर में रामनवमी समारोह के दौरान मची एक भगदड़ में लगभग 36 लोगों की मौत हो गई थी।

वहीं, 2 जुलाई, 2024 को उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में एक धार्मिक समागम में मची भगदड़ में कम से कम 121 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 28 अन्य लोग घायल हो गए थे। पीड़ित हजारों लोगों की भीड़ का हिस्सा थे जो धार्मिक उपदेशक भोले बाबा के %सत्संग% के लिए सिकंदराराऊ क्षेत्र के फुलराई गांव के पास एकत्र हुए थे।

ऐसे में उठता है कि आखिर में भगदड़ क्या है? तो जवाब होगा कि कहीं पर भी अचानक भीड़ के बढ़ने के बाद किसी वजह से मची अफरातफरी से भगदड़ होती है। इस दौरान लोगों का एक बड़ा ताकतवर समूह अनियंत्रित रूप से आगे बढ़ता है, जिसके परिणामस्वरूप अक्सर कमजोर लोग कुचल जाते हैं, कुछ का दम घुट जाता है और मृत्यु हो जाती है। यह घबराहट या उत्तेजना से प्रेरित होती है। यह अफवाहों, भय, सीमित स्थान या अचानक आंदोलनों के कारण उत्पन्न हो सकता है, जिससे भीड़ का व्यवहार अव्यवस्थित हो सकता है। अध्ययनों से पता चलता है कि भारत में 79त्न भगदड़ें धार्मिक आयोजनों के दौरान ही हुई हैं।

सवाल है कि किसी भी भगदड़ के लिए जिम्मेदार कारक क्या-क्या होते हैं? तो जवाब होगा कि संरचनात्मक विफलताएं यानी कमजोर अस्थायी संरचनाएं, खराब बैरिकेडिंग और संकीर्ण प्रवेश/निकास द्वार अमूमन खतरे पैदा करते हैं। वहीं, भीड़ पर अपर्याप्त नियंत्रण भी प्रमुख कारक हैं, क्योंकि भीड़ के आकार का कम आंकलन, स्टाफ की कमी, अपर्याप्त निकास और अनियंत्रित प्रवेश के कारण भीड़भाड़ हो जाती है। वहीं, घबराहट और अफवाहें की इसकी प्रमुख कारक हैं, क्योंकि झूठे अलार्म या सामूहिक उन्माद के कारण अचानक हलचल हो सकती है, जिससे लोग भागकर गिर जाते हैं और दबे-कुचले जाते हैं।

वहीं, आग एवं विद्युत संबंधी समस्याएं भी कभी कभी इसका कारक बन जाती हैं, क्योंकि शॉर्ट सर्किट, अग्निशामक यंत्रों की कमी या खराब प्रकाश व्यवस्था से भी घबराहट की स्थिति पैदा हो जाती है, जिससे भगदड़ मच जाती है। वहीं, समन्वय का अभाव भी इसका एक प्रमुख कारक है, क्योंकि एजेंसियों के बीच खराब योजना, विलंबित प्रतिक्रिया और वास्तविक समय की निगरानी का अभाव ऐसे अप्रत्याशित संकट को और बदतर बना देता है।

यही वजह है कि किसी भी सम्भावित जगह पर भगदड़ रोकने हेतु एनडीएमए ने कतिपय दिशानिर्देश जारी किए होते हैं, फिर भी आधिकारिक लापरवाही या पेशेवर अनुभवहीनता के चलते ऐसी घटनाओं पर अब तक लगाम नहीं लगाया जा सका है। इस निमित्त भीड़ का आकलन और प्रबंधन महत्वपूर्ण है। लिहाजा, प्राधिकारियों को अपेक्षित भीड़ का आकलन करना होता है, प्रवेश बिंदुओं को नियंत्रित करना होता है, तथा लोगों की संख्या को विनियमित करना होता है। वहीं, बुनियादी ढांचा और सुरक्षा उपाय के सम्बन्ध में मजबूत बैरिकेड्स, आपातकालीन निकास और पर्याप्त वेंटिलेशन सुनिश्चित किया जाता है।

वहीं, सुरक्षा और निगरानी उपायों के तहत भीड़ की आवाजाही पर नजर रखने के लिए सीसीटीवी कैमरे, सार्वजनिक संबोधन प्रणाली और प्रशिक्षित सुरक्षा कर्मियों की तैनाती सुनिश्चित की जाती है। वहीं, आपातकालीन तैयारी के तहत त्वरित प्रतिक्रिया के लिए चिकित्सा दल, एम्बुलेंस और अग्निशमन इकाइयों को रणनीतिक रूप से तैनात किया जाता है। वहीं, जन जागरूकता और सूचना प्रसार को त्वरित गति से फैलाया जाता है ताकि घबराहट की स्थिति से बचने के लिए लोग साइनबोर्ड, हेल्पलाइन नंबर और वास्तविक समय डिजिटल अपडेट के माध्यम से सजग हो जाएं। इसलिए वहां उपस्थित लोगों को शिक्षित करना प्रमुख प्रशासनिक कार्य होता है।

कहना न होगा कि किसी भी भगदड़ को रोकने में कई चुनौतियाँ सामने आती हैं, जिसमें अनियंत्रित भीड़, अपर्याप्त कानून प्रवर्तन, खराब बुनियादी ढांचे का रखरखाव, प्रौद्योगिकी एकीकरण का अभाव, पूर्व-पंजीकरण प्रणाली का विरोध आदि प्रमुख हैं। जहां तक अनियंत्रित भीड़ का सवाल है तो धार्मिक भावनाएं, अनुशासन की कमी और अचानक भीड़ के बढ़ने से भीड़ को नियंत्रित करना मुश्किल हो जाता है। वहीं, अपर्याप्त कानून प्रवर्तन अंतर्गत प्रशिक्षित कार्मिकों की कमी, समन्वय का अभाव तथा क्षेत्रवार खराब तैनाती प्रतिक्रिया आदि नेक प्रयासों में बाधा डालती है।

वहीं, खराब बुनियादी ढांचे का रखरखाव भी एक महत्वपूर्ण कारण है, क्योंकि संकीर्ण मार्ग, कमजोर पुल और अवैध अतिक्रमण बाधाएं पैदा करते हैं। जहां तक प्रौद्योगिकी एकीकरण के अभाव की बात है तो वास्तविक समय भीड़ विश्लेषण, जीपीएस ट्रैकिंग और एआई-आधारित भीड़ नियंत्रण प्रणालियों की अनुपस्थिति से संकट प्रतिक्रिया में देरी होती है। वहीं, पूर्व-पंजीकरण प्रणाली का विरोध वाकई एक जन संकट है, क्योंकि कई तीर्थयात्री अनिवार्य ऑनलाइन पंजीकरण का विरोध करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप अनियंत्रित भीड़ और अत्यधिक क्षमता की समस्या उत्पन्न होती है।

सवाल है कि जब सख्त पूर्व-पंजीकरण और टिकटिंग से इसे रोका जा सकता है तो प्रशासन एक्टिव क्यों नहीं है? क्योंकि प्रवेश सीमाओं को नियंत्रित करने के लिए अनिवार्य ऑनलाइन पंजीकरण लागू करके इस खतरे को कम किया जा सकता है। वहीं, यदि उन्नत एआई-आधारित निगरानी प्रणाली का अविलंब उपयोग शुरू हो जाए तो वास्तविक समय भीड़ विश्लेषण, वृद्धि की भविष्यवाणी और भीड़भाड़ को रोकने के लिए एआई और ड्रोन का उपयोग किया जा सकता है। वहीं, सुरक्षा एवं स्वयंसेवकों के प्रशिक्षण पर ध्यान देकर भी ऐसी घटनाओं को रोका जा सकता है। इसलिए भीड़ मनोविज्ञान और आपातकालीन प्रतिक्रियाओं में विशेषज्ञता वाले अच्छी तरह प्रशिक्षित कर्मियों को तैनात किया जाना चाहिए।

वहीं, कुशल यातायात और आवागमन योजना लागू करना भी जरूरी है। क्योंकि क्षेत्र-आधारित भीड़ प्रबंधन, एक-तरफ़ा आवागमन मार्ग और अलग आपातकालीन लेन लागू करके इसके जोखिम को कम किया जा सकता है। वहीं, आपातकालीन मॉक ड्रिल से संकट की स्थितियों से निपटने के लिए अधिकारियों, सुरक्षा और जनता को प्रशिक्षित करने के लिए नियमित रूप से भगदड़ प्रतिक्रिया अभ्यास आयोजित करें। क्योंकि एनडीएमए कहता है कि, 'रोकथाम इलाज से बेहतर है।' यानी भविष्य में भगदड़ की घटनाओं को रोकने के लिए सक्रिय भीड़ प्रबंधन, प्रौद्योगिकी एकीकरण और सख्त विनियमन महत्वपूर्ण हैं। लिहाजा, प्रभावी नीति कार्यान्वयन और समन्वय से लोगों की जान बचाई जा सकती है और सुरक्षित सार्वजनिक समारोह सुनिश्चित किए जा सकते हैं।

हालांकि, अनुभव बताता है कि इस बाबत जनजागृति बहुत जरूरी है, क्योंकि एक दूसरे को कुचलने वाले क्रूर मनुष्य ही होते हैं। क्योंकि यूपी की योगी सरकार ने महाकुंभ 2025 के दौरान भीड़ नियंत्रण के लिए तमाम तकनीकी उपाय सुनिश्चित किए थे, बावजूद इसके संगम नोज पर हृदयविदारक घटना घट गई। इसलिए प्रशासनिक अधिकारियों-कर्मचारियों पर कार्य दबाव कम किया जाए ताकि वो बेहतर परफॉर्मेंस देकर जनहितकारी कार्रवाई कर सकें।

- कमलेश पांडेय
वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक

राशिफल

फाल्गुन कृष्ण पक्ष षष्ठी | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
मन आनंदित रहेगा। प्रेमी-प्रेमिका की मुलाकात होगी। बच्चों का साथ रहेगा। जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
शत्रु भी मित्रवत व्यवहार करेंगे। थोड़ी परेशानी जरूर रहेगी। प्रेम-संतान अच्छा। व्यापार अच्छा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
भावुक मन से लिया गया फैसला नुकसान करेगा। स्वास्थ्य ठीक ठाक, प्रेम-संतान थोड़ा मध्यम।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
गृहकलह के संकेत हैं लेकिन भौतिक सुख-संपदा में वृद्धि का संकेत है। स्वास्थ्य अच्छा।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
योजनाएं फलीभूत होंगी। योजनाओं को कार्यरूप दें। स्वास्थ्य अच्छा है। प्रेम-संतान अच्छा है। व्यापार अच्छा है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
धन आगमन होगा। कुटुंब में वृद्धि होगी। जुबान और निवेश पर नियंत्रण रखें। बाकी स्वास्थ्य, प्रेम व व्यापार अच्छा है।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
सितारों की तरह चमकेंगे। आकर्षण के केंद्र बने रहेंगे। जरूरत के हिसाब से वस्तुएं जीवन में रहेंगी।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
मन चिंतित रहेगा। अज्ञात भय सताएगा। स्वास्थ्य थोड़ा मध्यम। प्रेम,संतान अच्छा। व्यापार भी अच्छा।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
यात्रा फलीभूत होगी। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। स्वास्थ्य अच्छा। प्रेम-संतान मध्यम।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
सरकारी तंत्र से लाभ होगा। उच्चाधिकारियों का आशीर्वाद मिलेगा। कोर्ट-कचहरी में विजय मिलेगी।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
भाग्यवर्धक दिनों का निर्माण हो रहा है। यात्रा का योग बनेगा। धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे। स्वास्थ्य में सुधार।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
वाहन धीरे चलाएं। चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। स्वास्थ्य मध्यम।

ग्राम पंचायत चुनाव व मतदान को लेकर कार्मिकों को दिया प्रशिक्षण

नोएडा (चेतना मंच)। राज्य निर्वाचन आयोग उत्तर प्रदेश लखनऊ एवं जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी गौतमबुद्धनगर मनीष कुमार वर्मा के निर्देशों के क्रम में पंचायत उप निर्वाचन माह फरवरी 2025 के अंतर्गत विकासखंड जेवर की ग्राम पंचायत समसम नगर में 19 फरवरी 2025 को संपादित कराए जाने वाले मतदान के उपरांत 21 फरवरी 2025 को विकासखंड जेवर मुख्यालय पर संपादित करायी जाने वाली मतगणना को राज्य निर्वाचन आयोग उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा निर्गत निर्देशानुसार निर्विघ्न,निष्पक्ष, पारदर्शिता एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराए जाने हेतु आज विकास भवन के सभागार में जिला विकास अधिकारी शिव प्रताप परमेश, रिटर्निंग ऑफिसर जिला कृषि रक्षा अधिकारी विनोद कुमार एवं सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी राकेश शर्मा द्वारा समस्त कार्मिकों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

जीएसएस प्रोकान बिल्डर की वित्तीय जांच करेगी आर्थिक अपराध शाखा

बकाया जमा न करने पर हेवन होटल की दो दुकानें निरस्त

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण ने ग्रुप हाउसिंग के बिल्डर पर बकाया जमा नहीं करने पर आर्थिक अपराधा शाखा दिल्ली से वित्तीय जांच का आग्रह किया वहीं कामर्शियल विभाग के एक डिफाल्टर आवंटी के दो आवंटनों को निरस्त कर दिया गया है।

प्राधिकरण ने बताया कि ग्रुप हाउसिंग भूखंड संख्या जीएच-1सी सेक्टर-143बी में 10306.12 वर्गमीटर सब डिविजन जीएसएस प्रोकॉन प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में 10 अगस्त 2010 को किया गया था। 19 अगस्त 2011 को लीज डीड करते हुए 29 अगस्त 2011 को प्लाट पर कब्जा दिया गया। प्लाट की लागत का पैसा जमा नहीं करने पर बिल्डर को बार बार प्राधिकरण ने नोटिस जारी किए। बिल्डर का प्राधिकरण पर करीब 90.54 करोड़ रुपए बकाया है। ये पैसा अब तक बिल्डर ने जमा नहीं किया।

परियोजना के प्रमोटर हरविंदर सिंह सिक्का, गरनीत सिंह सिक्का, प्रमोद गोयल, संदीप गोयल ने इस परियोजना के तहत फ्लैट बेचे। इस दौरान जो पैसा आया उसे प्राधिकरण में जमा नहीं कराकर अन्य परियोजना में डायवर्ट किया। इसक कारण फ्लैट बायर्स को काफी

नौएडा
एक उत्कृष्ट क्षेत्र

समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में वित्तीय अनियमितता के चलते प्राधिकरण ने आर्थिक अपराध शाखा दिल्ली से मामले की जांच का आग्रह करते हुए पत्र लिखा है।

इसके अलावा कामर्शियल विभाग में बार बार नोटिस जारी करने के बाद भी दो आवंटियों ने पैसा जमा नहीं किया। इसमें हेवन होटल एंड रिसोर्ट को जयपुरिया प्लाजा सेकेंट फ्लोर सेक्टर-26 पर दो दुकानों का आवंटन किया गया था। इसमें पहली दुकान 401/डी68ए एरिया करीब 178.43 वर्गमीटर का आवंटन निरस्त कर दिया गया है। इस पर 38 लाख 50 हजार 260 रुपए का बकाया है। इसी तरह दूसरी दुकान 402/डी68ए का एरिया 178.34 का आवंटन निरस्त कर दिया है। इस पर 40 लाख 5 हजार 384 रुपए का बकाया है।

हिट एंड रन मामले के प्रचार-प्रसार व कार्यवाही का बैठक कर लिया फैसला

नोएडा (चेतना मंच)। सर्वोच्च न्यायालय नई दिल्ली द्वारा रिट सख्या सी नं0 295/2012 एस राजसीकरन बनाम भारत संघ की पत्रावली पर अंतिम याचिका संख्या 71387 वर्ष 2013 में पारित आदेश दिनांकित 12.01.2024 के अनुपालन में जनपदीय स्तर की समिति गठित की गयी।

अपर जिला जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ॠचा उपाध्याय की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर द्वारा नामित सदस्य डिप्टी कलेक्टर वेद प्रकाश पांडेय तथा पुलिस आयुक्त गौतमबुद्धनगर द्वारा नामित सदस्य सहायक पुलिस आयुक्त-प्रथम राजीव कुमार गुप्ता उपस्थित हुये। बैठक में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेशों का अक्षरसः अनुपालन करने तथा हिट एंड रन दुर्घटना के मामलों में अपने स्तर से प्रचार-प्रसार एवं कार्यवाही करने पर निर्णय लिया गया।

बैठक में अपर जिला जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ॠचा उपाध्याय, डिप्टी कलेक्टर/सदस्य हिट एंड रन समिति वेद प्रकाश पांडेय, सहायक पुलिस आयुक्त-प्रथम/सदस्य हिट एंड रन समिति राजीव कुमार गुप्ता उपस्थित रहे।

ऐतिहासिक महाकुंभ के लिए सीएम को दी बधाई

वरिष्ठ भाजपा नेता रविकांत मिश्रा ने स्नान के बाद नंदगोपाल गुप्ता नंदी से की मुलाकात

नोएडा (चेतना मंच)। प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में संगम पर वरिष्ठ भाजपा नेता तथा समाजसेवी पं. रविकांत मिश्रा ने डुबकी लगाकर स्नान किया। स्नान व पूजन के पश्चात वे नंदी सेवा संस्थान पहुंचे। वहां पहुंचकर पं. रविकांत मिश्रा ने उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता से मुलाकात की तथा महाकुंभ की सफलता के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा उन्हें बधाई दी।

पं.रविकांत मिश्रा ने कहाकि मुख्यमंत्री ने ऐतिहासिक महाकुंभ का सफल बनाकर संदेश दिया कि सनातन का प्रचार-प्रसार सिर्फ भाजपा ही कर सकती है। बाकी दलों ने सनातन के नाम पर सिर्फ सियासी रोटियां ही सेंकी हैं।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हादसा रेलवे विभाग की विफलता : रोहित

ग्रेटर नोएडा(चेतना मंच)। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुए हादसे में कुंभ स्नान करने के लिए जा रहे श्रद्धालुओं की मौत को समाजवादी पार्टी के जिला प्रवक्ता रोहित मत्ते गुर्जर ने रेलवे विभाग की बड़ी असफलता बताया है।

उन्होंने प्रेस में जारी एक बयान में कहा कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुए हादसे ने प्रयागराज महाकुम्भ में श्रद्धालुओं के आवागमन की व्यवस्था को तैयारी को लेकर रेलवे विभाग के दावे की पोल खोल कर रख दी है।

उन्होंने कहा की रेलवे द्वारा श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था के लिए उचित इंतजाम नहीं किये गये थे, रेलवे विभाग की लापरवाही के कारण देश के महत्वपूर्ण स्टेशन पर इतना बड़ा हादसा हो गया। भाजपा सरकार द्वारा महाकुंभ को लेकर प्रचार प्रसार तो बहुत किया गया, लेकिन श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक सुविधा प्रदान नहीं की गई।

उन्होंने कहा कि नैतिकता के आधार पर इस भयानक हादसे की जिम्मेदारी लेते हुए रेल मंत्री को तत्काल इस्तीफा दे देना चाहिए। इस अवसर उन्होंने नोएडा-ग्रेटर नोएडा और दादरी से बड़ी संख्या में महाकुंभ स्नान करने के लिए जा रहे श्रद्धालुओं के लिए एक नियमित ट्रेन प्रतिदिन दादरी रेलवे स्टेशन से प्रयागराज तक चलाने की मांग की।

पूर्वोत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मण्डल विद्युत इंजीनियर/टी.आर.एस./पूर्वोत्तर रेलवे, लोको शेड गोण्डा द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु खुली ई-निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। **निविदा सूचना संख्या: LS-GD-2025-Ovh-Compressor; कार्य का नाम:** 1 वर्ष के लिए गोण्डा और गोरखपुर इलेक्ट्रिक इंजनों के मुख्य कंप्रेसर की ओवरहॉलिंग। **अनुमानित लागत (₹ में):** ₹46,03,263.85; **अग्रिम धन राशि (₹ में):** ₹92,100/-; **निविदा की अवधि:** 12 माह; • ऑफर अपलोड करने की अंतिम तिथि एवं समय 11.03.2025, 12:00 बजे। • इस ई निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी, न्यूनतम अर्हतायें तथा नियम एवं शर्तें, रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध हैं। • निविदाकार, ई-निविदा प्रपत्र को अपलोड करने से पूर्व इस ई-निविदा से संबंधित शुद्धि पत्र (यदि कोई हो) को वेबसाईट पर संज्ञान में लेना सुनिश्चित करें।

समंविई/टीआरएस
मुजाधि/विद्युत-246 लोको शेड, गोण्डा

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

पूर्वोत्तर रेलवे

निविदा सूचना संख्या — 05—2025—CW

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरि० मण्डल यॉत्रिक इंजीनियर /समाडि/को०, पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा, निम्नलिखित कार्य हेतु बिड सिस्टम आधारित खुली ई-निविदायें आमंत्रित की जाती है।, **निविदा सूचना संख्या एवं कार्य का नाम:— निविदा सूचना संख्या 05—2025—CW** 'रेट्रो फिटमेंट आफ एडिशनल वाटर फिलिंग अरेंजमेंट इन एलएचवी टाइप कोचेज ऐज पर द CAI No. CAI/ RCF/MECH/LHB/061 दिनांक 10.05.2024 ऐट कोचिंग डिपों जीकेपी, एएसएच एंड जीटीएनआर इन ए पीरियड आफ 01 इयर (12 मन्थ्स), **अनुमानित लागत (रू० में):—** रु० 49,27,556.26, **अग्रिम धन (रू० में):—** रू०, 98,600.00, **निविदा की अवधि :—** 12 माह, •ई निविदा प्रपत्र अपलोड करने की अंतिम **तिथि एवं समय 13.03.2025, 15:00 बजे तक एवं यह ई-निविदा दिनॉक 13.03.2025 को 15:00 बजे के बाद खोली जायेगी।,** •इस ई-निविदा से सम्बंधित विस्तृत जानकारी, न्यूनतम अर्हतायें तथा नियम एवं शर्ते, पूर्वोत्तर रेलवे की वेबसाईट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।, • निविदाकार ई-निविदा प्रपत्र को अपलोड करने से पूर्व इस ई-निविदा सूचना से सम्बन्धित् शुद्धि पत्र (यदि कोई हो) को वेबसाईट पर संज्ञान में लेना सुनिश्चित् करें।

मण्डल यांत्रिक इंजीनियर/समाडि,
मुजाधि/यांत्रिक-122 लखनऊ

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

त्रिवेणी संस्था ने दो वरिष्ठ शिक्षकों को किया सम्मानित, कवि गोष्ठी हुई

मीरजापुर। सिटी लान, बरियाघाट में रविवार को अध्यात्म,संस्कृति एवं साहित्य की 'त्रिवेणी' संस्था द्वारा नगर के वयोवृद्ध शिक्षक कैलाश नाथ त्रिपाठी (पूर्व विभागाध्यक्ष गणित केबीपीजी कालेज) और मोहनलाल आर्य , पूर्व प्रधानाचार्य बीएलजे इंटर कालेज को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सरस काव्य गोष्ठी भी हुई। गोष्ठी मे रवीन्द्र कुमार कुमार पांडेय सरल ने सरस्वती वंदना और वरिष्ठ पत्रकार सलिल पांडेय ने

गणेश वंदना की। कार्यक्रम के संयोजक केदारनाथ सविता ने कविता सुनाया- अच्छा है हम न करें किसी तरह के वादे, तुम्हारा और मेरा साथ बस मोड़ के आने तक है। वरिष्ठ कवि भोलानाथ कुशवाहा ने गजल सुनाया- गजल मुस्कुराओ तो कुछ बात बने, कभी अकेले आओ तो कुछ बात बने। मुहिब मिर्जापुरी ने गजल पढ़ा- जाने क्या मंजिल ब मंजिल ढूंढती है जिंदगी, हादसों की रहगुजर पर चल रही है जिंदगी। सलिल पांडेय ने व्यंग्यात्मक कविता का पाठ किया- देखो जी मुझे चिढ़ाया न करो। लालब्रत सिंह सुगम ने अपने दमदार दोहों से काव्य गोष्ठी को ऊँचाई प्रदान की- युवा जुनूनी क्यों बना नित करता जो खून।

डॉ उषा कनक पाठक ने मधुर गीतों से वातावरण को रससिक्त किया- जिस दीपक को ढूंढ रही थी, अनायास वह मिला मार्ग में। खुर्शीद भारती ने देशप्रेम की रचना सुनाई- अपनी सरहद की निगरानी भी करनी है मुझे, मैं तेरी मांग सजाऊँगा चला जाऊँगा। अनिल यादव ने बहुत उम्दा पंक्तियों को सुनाया- अपनी तनहाइयों के निशान मिटाने चला हूं, रंग और गुलाब इस मौसम में उड़ाने चला हूँ। कवि गोष्ठी को नई दिशा देते हुए नन्दिनी वर्मा ने मधुर आवाज में सुनाया- हम अकेले चल दिये सब रह गये पीछे हमारे।

श्याम अचल ने सुनाया- ये राम नाम तो सभी मंत्रों का मूल है। सारिका चौरसिया ने अपनी आवाज का जादू बिखेरा- यूँ ही कोई जंगल बियावान और शहर वीरान नहीं होता एक दिन में। आनंद अमित ने सुनाया- वो गीत तुम्हारे वसन्त के फुल बनकर खिलेंगे। पूर्व विधायक भगवती चौधरी, इलाहाबाद बैंक के पूर्व मैनेजर राजीव रंजन, इरफान कुरैशी, अरविंद अवस्थी, रवीन्द्र पांडेय सरल आदि ने भी अपनी रचनाओं से गोष्ठी को ऊँचाई प्रदान की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता भोलानाथ कुशवाहा ने की और संचालन अरविंद अवस्थी ने किया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन केदार नाथ सविता ने किया। गोष्ठी में सुरेश त्रिपाठी एडवोकेट, भूपेन्द्र सिंह डंग, आशुतोष अग्रवाल, विमला शंकर दुबे, निरंजना एडवोकेट, राजेन्द्र तिवारी, प्रकाश तिवारी, अमरनाथ सिंह, उमेश चंद्र मालवीय, विनोद कुमार जायसवाल, धर्मेंद्र कुमार आर्य आदि शामिल थे। सभी कवियो को प्रशस्ति पत्र त्रिवेणी संस्था के अध्यक्ष रवीन्द्र कुमार पांडेय के हाथों वितरित किया गया।

अंत में संस्था के पूर्व सदस्य गुलाब चंद तिवारी के निधन पर दो मिनट का मौन धारण करने बाद कार्यक्रम के समाप्ति की घोषणा की गयी। धन्यवाद ज्ञापन संस्था के संयोजक केदारनाथ सविता ने किया।

पीडीए जन पंचायत पर महिलाओं के हितों पर चर्चा

दादरी (चेतना मंच)। समाजवादी महिला सभा द्वारा जिलाध्यक्ष डॉ. शशि यादव के नेतृत्व में गांव छापरौला गांव में पीडीए जनपद पंचायत का आयोजन कर महिलाओं के हितों पर चर्चा की गई।

इस मौके पर समाजवादी महिला सभा की जिलाध्यक्ष डॉ शशि यादव ने कहा कि आज भाजपा सरकार में महिला असुरक्षित महसूस कर रही है। आज देश भर में महिलाओं और बेटियों के साथ अत्याचार की घटना में वृद्धि हो रही है। भाजपा सरकार महिलाओं को सुरक्षा देने में असफल रही है।

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी सरकार के कार्यकाल में महिला और बेटियों के उत्थान एवं सुरक्षा प्रदान करने के लिए अनेक योजना चलाई गई थी और उन्हें मुख्य धारा में जोड़ने का काम किया गया था। इस मौके पर समाजवादी महिला सभा की प्रदेश सचिव सुनीता यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी ने हमेशा महिलाओं के हितों को सर्वोपरि रखा है, पार्टी के सरकार में रहते हैं उन्हें सुरक्षा और सुविधा प्रदान करने के लिए कार्य किये गये है। आज समाजवादी पार्टी के राष्टीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की नीतियों से प्रभावित होकर बड़ी संख्या में महिला समाजवादी पार्टी से जुड़ रही हैं।इस मौके पर मुख्य रूप से ममता यादव, सुरेन्द्र नागर, अनिल यादव, अक्षय चौधरी, विपिन सैन, अंजलि श्रीवास्तव, सुमित पंडित, सुशील नागर, सत्यपाल प्रजापति, सोनू यादव, सवीता यादव, कमंत यादव, संगीता यादव, सत्तों गोस्वामी, कुसम, गीता मावी, दिशू भारद्वाज, नंदनी यादव, डॉली यादव, अनामिका श्रीवास्तव, प्रेरणा यादव, लवीश यादव आदि मौजूद रहे।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200

Mo.: 9811735566, 8750322340

E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

दिल्ली में 20 फरवरी को रामलीला मैदान में होगा शपथ ग्रहण, कौन सीएम अभी पता नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के नए मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह की तारीख घोषित कर दी गई है। शपथ ग्रहण समारोह 20 फरवरी को शाम 4.30 बजे रामलीला मैदान में आयोजित होगा। इस मौके पर करीब 30 हजार कुर्सियां लगाई जाएंगी। शपथ ग्रहण के लिए 3 मंच बनाए जाएंगे, जिसमें एक बड़ा मंच (40 बाई 24 का) और दो छोटे मंच भी तैयार किए जा रहे है। मंच पर करीब 100-150 कुर्सियां रखी जाएगी।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की भारी जीत के बाद, दिल्ली के नए मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण की तारीख और नाम को लेकर कई सवाल उठ रहे थे। अब बीजेपी के सूत्रों से समारोह की तारीख और समय की जानकारी दे दी है, हालांकि अभी तक यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि दिल्ली का मुख्यमंत्री कौन बनेगा।

सीएम की रेस में ये नाम शामिल

दिल्ली में सीएम बनने की रेस में सबसे आगे प्रवेश वर्मा का नाम है। उन्होंने नई दिल्ली सीट पर आप प्रमुख और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल को हराया है, इसकारण उनका नाम सबसे आगे चल रहा है। वहीं दूसरा नाम आशीष सूद का है। जो कि दिल्ली भाजपा के महासचिव और जनकपुरी विधायक बने है। वहीं दिल्ली में बीजेपी इस बार महिला चेहरे पर भी दाव लगा सकती है। इसकारण रेस में रेखा गुप्ता का नाम भी आ रहा है। रेखा शालीमार बाग से विधायक बनी है। वहीं विजेंदर गुप्ता, जो कि रोहिणी विधायक और दिल्ली बीजेपी के वरिष्ठ नेता।

इसके अलावा सतीश उपाध्याय का नाम भी इस रेस में शामिल है। वे मालवीय नगर से विधायक और दिल्ली में प्रमुख ब्राह्मण चेहरा। इसके अलावा जितेंद्र महाजन का नाम भी सुर्खियों में हैं वे वैश्य समुदाय से, आरएसएस के मजबूत प्रतिनिधि। इस रेस में दूसरी महिला विधायक शिखा रॉय का नाम भी चल रहा हैं वे ग्रेटर कैलाश से जीतने वाली महिला चेहरा।

बात दें कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने 70 में से 48 सीटें जीतीं, जबकि आप को केवल 22 सीटें मिलीं। यह बीजेपी की दिल्ली में 1993 के बाद पहली बार सरकार बनाने की संभावना को उजागर करता है।

राम मंदिर में टूटा दान का रिकॉर्ड, एक साल में आये 700 करोड़

अयोध्या । अयोध्या के राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की बाद यहां पर पर्यटकों और श्रद्धालुओं का जमावड़ा लगा हुआ है। देश विदेश से हर रोज बड़ी संख्या में भक्त रामनगरी अयोध्या में दर्शन पूजन के लिए पहुंच रहे हैं। श्रद्धालुओं के रोजाना नए-नए रिकॉर्ड बनाने के साथ राम मंदिर की आय में भी तेजी से इजाफा हुआ है। वर्तमान में यह देश के तीसरी सबसे अधिक आय अर्जित करने वाले मंदिरों में से एक है। बीते साल 22 जनवरी 2024 को राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई थी, इसके बाद बीते एक सालों में 13 करोड़ से अधिक श्रद्धालु और पर्यटक अयोध्या दर्शन पूजन के लिए पहुंच चुके हैं। इस दौरान मंदिर सालाना आय भी 700 करोड़ रुपये को पार कर चुकी है। राम मंदिर ने सालाना आय के मामले में स्वर्ण मंदिर (अमृतसर), वैष्णो देवी मंदिर (जम्मू कश्मीर) और शिरडी साई मंदिर (शिरडी महाराष्ट्र) को पीछे छोड़ दिया है। यह आंकड़े बीते साल जनवरी 2024 से जनवरी 2025 तक के हैं। रामनगरी दर्शन पूजन के लिए पहुंच रहे श्रद्धालुओं की वजह से दान के सारे रिकॉर्ड टूट रहे हैं। महाकुंभ में स्नान के बाद लाखों श्रद्धालु रामनगरी पहुंच रहे हैं। राम मंदिर में रोजाना करीब चार लाख श्रद्धालु दर्शन कर रहे हैं, जिससे दान में भारी वृद्धि देखी जा रही है। मंदिर ट्रस्ट के अनुसार, दस काउंटरों पर प्रतिदिन 10 लाख रुपये से अधिक चढ़ावा आ रहा है।

संभल हिंसा मामले में दो और आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा

संभल । संभल शहर के कोट गर्वी मुहल्ले में पिछले साल 24 नवंबर को शाही जामा मस्जिद के सर्वेक्षण के दौरान हुई हिंसा के मामले में पुलिस ने दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, मोहम्मद हसन और समद को गिरफ्तार करने के बाद जेल भेज दिया गया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने 24 नवंबर को शाही जामा मस्जिद में एक सर्वेक्षण के दौरान एकत्र हुई भीड़ का हिस्सा होने की बात स्वीकार की। पकड़े गए दोनों लोगों ने पूछताछ में बताया है कि घटना के बारे में सुनने के बाद वे अंजुमन चौराहे पहुंचे जहां मुन्ना के बेटे सुभान सहित भीड़ एकत्र हुई थी। समूह ने कथित तौर पर लोगों को उकसाया, मामले को धार्मिक बातकर उन्हें एकजुट होने का आग्रह किया। इसके बाद, भीड़ हिंदूपुरा खेड़ा नखासा तिराहे की ओर बढ़ी, जहां उन्होंने कथित तौर पर पुलिसकर्मियों पर गोलियां चलायीं, पथराव कर पुलिस के एक वाहन को आग लगा दी।

कश्मीर घाटी में कई स्थानों पर जंगलों में भीषण आग

श्रीनगर । कश्मीर घाटी में कई स्थानों पर जंगलों में भीषण आग लगी है, जिससे स्थिति गंभीर हो गई है। लोकल विशेषज्ञों ने इन आग की घटनाओं के लिए जलवायु कारकों और मानवीय लापरवाही दोनों को जिम्मेदार माना है। आग त्राल और बांदीपोरा के जंगलों में फैली, जहां त्राल क्षेत्र के पिंगलिश इलाके में आग ने भयावह रूप लिया और आसपास के इलाकों तक फैल गई। अनंतनाग और बांदीपोरा जिले के दादू मरहमा इलाके में भी आग लगी। वहीं बांदीपोरा जिले के कुनान गांव में भी जंगल में आग लगने की सूचना है, जिससे लोग चिंतित हैं। अधिकारियों और आपातकालीन टीमों ने स्थिति को काबू में करने के लिए तेजी से प्रयास शुरू कर दिए हैं, और आग बुझाने के लिए टीमों को तैनात किया गया है। आग से धुआं दूर से दिखाई दे रहा था, जिससे आस-पास के इलाकों में घबराहट फैल गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि जलवायु परिवर्तन और मानवीय लापरवाही के कारण जंगलों में आग की घटनाओं में वृद्धि हो रही है। कश्मीर में चल रहे सूखे के कारण आग लगने की संभावना बढ़ गई है, और हाल के दिनों में इस तरह की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं।

महाकुंभ में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रयागराज संगम रेलवे स्टेशन अब 28 फरवरी तक बंद

प्रयागराज । महाकुंभ में भारी भीड़ को देखते हुए प्रयागराज संगम रेलवे स्टेशन (दारागंज) को अब 28 फरवरी तक के लिए बंद कर दिया गया है। इस बाबत डीएम ने मंडल रेल प्रबंधक को एक पत्र लिखा है। स्टेशन पर तैनात आरपीएफ और जीआरपी जवानों से भी अलर्ट मोड में रहने को कहा गया है। बताया जा रहा है कि अगर भीड़ की हालत ऐसी ही रही तो प्रयागराज संगम स्टेशन को आगे भी बंद रखा जा सकता है। महाकुंभ में शनिवार और रविवार को एक बार फिर से भारी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ देखी गई। शाम तक रेलवे स्टेशन से आने और जाने वालों की लंबी कतार देखने को मिली। देशभर के रेलवे स्टेशनों से महाकुंभ को लेकर संगम की ओर भारी संख्या में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ आती दिख रही है। जिसके बाद रेलवे ने इमरजेंसी प्लान के लिए 24 घंटे तैयार रहने के निर्देश दिए हैं। वीकेंड पर आई भीड़ को देखते हुए रेलवे सतर्क है।

राम मंदिर में वीआईपी दर्शन के नाम पर 1.80 लाख की ठगी, केस दर्ज

अयोध्या । रामनगरी अयोध्या स्थित राम मंदिर में दर्शन कराने के नाम पर श्रद्धालुओं से ठगी की जा रही है। यहां महाराष्ट्र की बुजुर्ग महिला श्रद्धालु को वीआईपी दर्शन कराने का झांसा देकर कर्नाटक के एक जालसाज ने 1.80 लाख रुपये ठग लिए। अयोध्या पहुंचने पर ठगी की जानकारी हुई तो पीड़ित ने कोतवाली अयोध्या में मुकदमा दर्ज कराया है। महाराष्ट्र के दीन दयाल नगर, ठाणे, विष्णुनगर हांविवली निवासी कविता शेट्टी ने कोतवाली अयोध्या में दर्ज एफआईआर में बताया कि सुरेश आचार्य नामक एक व्यक्ति उनके ऑफिस में मिलने आया था। उनकी मां कस्तूरी शेट्टी से भी उसने मुलाकात की और उन्हें तीर्थ यात्रा का झांसा दिया। पीड़ित ने बताया कि वह आचार्य है और कर्नाटक का डिप्टी स्पीकर का करीबी है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उसके दोस्त हैं। वह उन्हें अयोध्या में दर्शन के लिए वीआईपी पास दिला देगा। इसके लिए उनसे 1.80 लाख रुपये लिए। रास्ते में उसने टोल टैक्स भी नहीं देने दिए। उसने ड्राइवर को धमकाया और स्वयं को सांसद बताया। अयोध्या पहुंचने पर पता चला कि उसके पास कोई पास नहीं है। बल्कि वह एक जालसाज है, जो बुजुर्ग आदमियों को ठगता है। उनके पिता सुरेश ने उसे पैसे का हिसाब मांगा तो उसने उनकी पिटाई कर दी। उनके वाहन चालक अंकित को भी धमकाया। आरोपी कर्नाटक के बेंगलुरु का रहने वाला है। पुलिस ने केस दर्ज करके मामले की जांच शुरु कर दी है।

दुर्घटना में घायल किसान नेता कुरुबुरु शांताकुमार को एयर एंबुलेंस से बेंगलुरु लाया गया

बेंगलुरु । पंजाब के पटियाला में एक दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुए कर्नाटक के किसान नेता कुरुबुरु शांताकुमार को एयर एंबुलेंस से बेंगलुरु लाया गया। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के कार्यालय ने इसकी जानकारी दी। शांताकुमार को पंजाब से उपचार के लिए बेंगलुरु के मणिपाल अस्पताल में भर्ती किया गया है। मुख्यमंत्री कार्यालय से जारी बयान के अनुसार, सीएम सिद्धरमैया ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। पटियाला में तीन दिन पहले हुए सड़क हादसे में शांताकुमार गंभीर रूप से घायल हो गए थे और उन्हें वहां के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हादसे में उनकी रीढ़ की हड्डी में गंभीर चोट आई है। घटना की जानकारी मिलते ही सिद्धरमैया ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि शांताकुमार को एयर एंबुलेंस से बेंगलुरु लाया जाए।

महाराष्ट्र में जीबीएस से चिंता बढ़ी, कोल्हापुर में तीसरे मरीज की मौत, राज्य में मरने वालों की संख्या 13 हुई

कोल्हापुर (एजेंसी)। महाराष्ट्र में गुइलेन-बैरे सिंड्रोम (जीबीएस) के बढ़ते प्रकोप ने चिंता बढ़ा रही हैं। राज्य में जीबीएस रोग तेजी से फैल रहा है। पुणे, सोलापुर, मुंबई, नागपुर, धुले के बाद अब कोल्हापुर में भी इस बीमारी ने नागरिकों का डर बढ़ा दिया है। खबर है कि कोल्हापुर में जीबीएस रोग से एक और व्यक्ति की मौत हो गई है। कोल्हापुर में इस बीमारी से मरने वालों की संख्या 3 हो गई है। इससे कोल्हापुर में इस समय भय व्यास है। जानकारी के अनुसार कोल्हापुर के राजारामपुरी स्थित शाहूमिल कॉलोनी में 62 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। इससे पहले रेंदाल धोनेवाड़ी में रहने वाले एक बुजुर्ग की जीबीएस के कारण मौत हो गई थी। उनका कोल्हापुर के छत्रपति प्रमिलाराजे सरकारी अस्पताल में इलाज चल रहा था। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इस बीच, कोल्हापुर के छत्रपति प्रमिलाराजे सरकारी अस्पताल में 5 जीबीएस मरीजों का इलाज चल रहा है। उनमें से एक वेंटिलेटर पर है। उधर राज्य में जीबीएस के कारण मरने वाले मरीजों की संख्या 13 तक पहुंच गई है। शनिवार को सांगली में इलाज के दौरान दो लोगों की मौत हो गई। जीबीएस रोग के कारण सबसे अधिक मौतें पुणे में दर्ज की गई हैं। इस बीच, नागपुर में जीबीएस का एक और मरीज पाया गया है। एक 7 वर्षीय बच्चा इस बीमारी से संक्रमित हो गया है। नागपुर मेडिकल कॉलेज में एक महीने में 10 मरीज पंजीकृत हुए हैं। इनमें से 5 मरीज नागपुर, दो मरीज मध्य प्रदेश और तीन मरीज अन्य जिलों के हैं। 16 जनवरी से 15 फरवरी के बीच आए 10 मरीजों में से 2 की मौत हो गई और 4 को छुट्टी दे दी गई है। फिलहाल तीन मरीजों का इलाज चल रहा है।

दिल्ली में कांग्रेस आप से भिड़ी और उसे हराया, अब महाराष्ट्र में उद्धव सेना से होगी जंग

मुंबई (एजेंसी)। कांग्रेस ने अपनी सियासी चाल में बदलाव किया है। अब उसका उद्देश्य भाजपा से ज्यादा भाजपा विरोधी दलों को हराने का है। दिल्ली विधानसभा चुनाव में भी कुछ तरह का मामला दिखाई दिया। कुछ इसी तरह की महाराष्ट्र में स्थित बनती नजर आ रही है। यहां नगरीय निकाय के चुनाव होना है और इसकी तैयारी भी शुरु हो गई है। ऐसी ही तैयारियों के चलते उद्धव ठाकरे ने आप संयोजक अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की।

महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी में इसके चलते दरार की स्थिति पैदा हो गई है। उद्धव ठाकरे सेना ने दिल्ली की हार के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार बताया है। उद्धव सेना का कहना है कि आम आदमी पार्टी तो गठजोड़ चाहती थी, लेकिन कांग्रेस ने ही उसे भाव नहीं दिया। अंत में दोनों दल अकेले चुनाव लड़े तो करारी हार हुई। अरविंद केजरीवाल और आदित्य ठाकरे के बीच हुई बातचीत के हवाले से उद्धव सेना ने यह दावा किया है। संजय राउत ने पार्टी के मुखपत्र सामना के लिए लिखे एक आर्टिकल में यह दावा किया है।

सवाल यह है कि कांग्रेस को लेकर उद्धव सेना का यह आक्रामक रुख क्यों है। इसकी वजह स्थानीय निकाय के चुनाव माने जा रहे हैं। कुछ समय बाद ही महाराष्ट्र में मुंबई समेत कई शहरों के निकाय चुनाव होने हैं। ऐसे में सीटों को लेकर खींचतान से पहले उद्धव सेना कांग्रेस पर दबाव बनाने की कोशिश में है। एनसीपी का जनाधार मराठवाड़ा के ग्रामीण इलाकों में माना जाता है। ऐसे में स्थानीय निकाय को लेकर उद्धव सेना और कांग्रेस के बीच ही खींचतान होगी। ऐसी स्थिति में उद्धव सेना पहले ही प्रेशर पॉलिटिक्स खेलने लगी है। बीते सप्ताह ही आदित्य ठाकरे और संजय राउत ने दिल्ली में अरविंद केजरीवाल और राहुल गांधी से मुलाकात की थी।संजय राउत ने लिखा कि अरविंद केजरीवाल ने बताया कि कांग्रेस तो भाजपा की बजाय उन्हें ही हराने की ज्यादा इच्छुक थी। संजय राउत ने लिखा, अरविंद केजरीवाल ने हमें जो

जानकारी दी। वह कांग्रेस को एक्सपोज करने वाली थी। हमने अरविंद केजरीवाल से पूछा कि आखिर आपने कांग्रेस के साथ चुनाव में गठबंधन क्यों नहीं किया। इस पर केजरीवाल ने कहा कि यह बात गलत है कि हमने साथ नहीं लिया। हम तो उनके साथ गठजोड़ के पूरी तरह पक्ष में थे। अरविंद केजरीवाल ने कहा, 'यह सही नहीं है। हम कांग्रेस से गठजोड़ के पक्ष में थे। मैं जब जेल में था तो हरियाणा के चुनाव हुए थे। हरियाणा चुनाव की कमान संभाल रहे राघव चड्ढा मुझसे जेल में मिलने आए तो मैंने कांग्रेस के साथ गठजोड़ की बात की और कहा कि आप सीटों पर फैसला लें।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हमने हरियाणा की 14 सीटों की सूची कांग्रेस को दी, जो हम लड़ना चाहते थे। फिर राहुल गांधी से वार्ता हुई और कांग्रेस ने 6 सीटें देने पर ही सहमति जताई। राघव ने जब यह बात मुझे कही तो मैंने कहा कि 6 सीटों पर ही राजी हो जाएं। इसके बाद फिर जब संपर्क साधा गया तो राहुल गांधी ने केसी वेणुगोपाल से बात करने को कहा। जब वेणुगोपाल से बात की गई तो वह 4 सीट पर आ गए और दीपक बाबरिया से बात करने को कहा। राघव ने फिर मुझसे मुलाकात की तो मैंने 4 सीटों पर ही राजी होने को कह दिया। इसके बाद कांग्रेस 2 सीट पर ही आ गई। हम 2 पर राजी हुए तो वे सीटें भाजपा के गढ़ वाली दी जाने लगीं। फिर हमने अलग रास्ता अपना लिया। केजरीवाल ने कहा कि कांग्रेस की इच्छा यही रही कि भाजपा की बजाय पहले हमें ही हरा दिया जाए, जबकि मैं मोदी से लड़ रहा हूं।

फडणवीस और शिंदे के बीच कोल्ड वॉर, ताजा विवाद स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़ा

सीएम ने बताया सामान्य प्रक्रिया

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में महायुति को बंपर बहुमत मिलने के बावजूद बीजेपी और शिवसेना के बीच का कोल्ड वॉर थम नहीं रहा है। ताजा विवाद स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़ा हुआ है। दरअसल, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मुख्यमंत्री सहायता डेस्क और मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता डेस्क की स्थापना की थी, इसके जबाव में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उपमुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता डेस्क बनाकर दिया।

महाराष्ट्र के मंत्रालय भवन के सातवें फ्लोर पर यह सत्ता संघर्ष साफ दिख रहा है। फडणवीस का वार रूम जहां प्रमुख परियोजनाओं और महत्वपूर्ण बैठकों पर नजर रखता है, वहीं शिंदे ने पास में एक समन्वय समिति कक्ष बनाया है, जहां वे महाराष्ट्र की प्रमुख परियोजनाओं की समीक्षा करते हैं। इस संघर्ष को लेकर जब फडणवीस से सवाल पूछा गया, तब उन्होंने शिंदे के रुख को सामान्य बताकर कहा कि इसमें कुछ गलत नहीं है। उन्होंने कहा कि जब वह राज्य के डिप्टी सीएम थे, तब उनका कार्यालय भी

मुख्यमंत्री के कार्यालय के पास था और महाराष्ट्र सरकार सुचारू रूप से चल रही है।

इस पूरे मामले पर शिंदे गुट के नेताओं का कहना है कि दो अलग-अलग कार्यालयों का होना राज्य परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाने मददगार साबित हो सकती है। इसके पहले, शिंदे को आपदा प्रबंधन समिति में शामिल नहीं किया गया था, जिसपर उन्होंने अपनी नाराजगी जाहिर की थी। बाद में नए नियम बनाए गए और उन्हें समिति में शामिल किया गया।

रायगढ़ और नासिक जिलों के गार्जियन मंत्रियों की नियुक्तियों को लेकर भी विवाद जारी है। फडणवीस ने शिंदे गुट के विधायकों के विरोध के बाद इन नियुक्तियों को स्थगित किया था। शिंदे गुट ने महाराष्ट्र सरकार में शक्ति और संसाधनों के बंटवारे को लेकर खुले तौर पर असंतोष जाहिर किया है।

सैम पित्रोदा का बयान, गलवान के शहीदों का अपमान

-कांग्रेस पर हमलावर बीजेपी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता, राज्यसभा सांसद और प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के प्रमुख सैम पित्रोदा के बयान को गलवान के शहीदों का अपमान बताया है। दरअसल कांग्रेस के करीबी राहुल गांधी के अंकल सैम पित्रोदा ने कहा था कि भारत को अपनी मानसिकता बदलने की जरूरत है और यह धारणा छोड़ने की जरूरत है कि चीन दुश्मन है। बीजेपी नेता त्रिवेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत लगातार आगे बढ़ रहा है। लेकिन, कुछ शक्तियां भारत के विकास को प्रभावित करने में लगी हुई है। ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष पित्रोदा ने सोमवार को चीन को लेकर जिस प्रकार का बयान दिया है, उससे यह बात साफ हो गई है कि कांग्रेस पार्टी के चीन के साथ हुए करार का इजहार अंकल सैम ने दिनदहाड़े कर दिया है।

सांसद त्रिवेदी ने कहा, गंभीर बात ये है कि जिस प्रकार की बात पित्रोदा ने कही है, वे बातें भारत की अस्मिता, कूटनीति और भारत की संप्रभुता पर बहुत गहरा आघात है उन्होंने (पित्रोदा) कहा है कि चीन के साथ किसी प्रकार का विवाद ही नहीं है, यानी भारत ही आक्रामक मुद्रा लिए हुए है? भारत सरकार प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विश्व के हर देश के साथ अच्छे और सौहार्दपूर्ण संबंध चाहती है। लेकिन, राष्ट्रीय स्वाभिमान, सुरक्षा और सुदृढ़ता हमारे लिए सर्वोपरि है। भाजपा नेता ने कहा कि इसके पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी कई बार इस तरह का बयान दे चुके हैं। राहुल गांधी ने एक विदेशी दौरे में कह दिया था कि चीन ने बेरोजगारी को कम करने में अच्छा काम किया है। पित्रोदा के बयान को उन्होंने गलवान के शहीदों का अपमान बताया। राज्यसभा सांसद त्रिवेदी ने पूछा, क्या यह गलवान के शहीदों का अपमान नहीं है? गलवान में हमारे सैनिक शहीद हो गए। लेकिन, इसके बावजूद अगर कांग्रेस ओवरसीज प्रमुख इस तरह की भाषा बोलता है, तब यह निंदनीय है। यह भारतीय सेना के बलिदान का घनघोर अपमान है।

पृष्ठ एक के शेष....

राज्यपाल वापस जाओ...

इसको लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ने कमर कस ली है। विपक्ष महाकुंभ भगदड़, मिल्कीपुर उपचुनाव में कथित धांधली जैसे मुद्दे लेकर योगी सरकार पर हमलावर था। वहीं सरकार विपक्ष के हर हमले का काउंटर करने के लिए तैयार है।

बजट सत्र के पहले ही दिन सदन के बाहर गजब नजारे देखने को मिले। समाजवादी पार्टी के नेता अस्थि कलश लेकर विधानसभा पहुंच गए। सपा विधायक आशुतोष सिन्हा साइकिल चलाकर विधानसभा पहुंचे और कहा कि नैतिकता का अस्थि कलश लोकतंत्र के मंदिर में स्थापित करेंगे। महाकुंभ का मुद्दा उठाएंगे, सरकार का घेराव करेंगे, हर सवाल करेंगे।

यूपी बजट सत्र की शुरुआत से पहले समाजवादी पार्टी के विधायकों ने विधानसभा में चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा के पास धरना दिया । उनके साथ नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडे और वरिष्ठ सपा नेता राजेंद्र चौधरी भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि महाकुंभ भगदड़ पर सरकार को जवाब देना होगा, मृतकों के आंकड़े छिपाए गए हैं।

छोटे व्यापारियों को...

योगेश कुमार विजय, ज्वाईंट कमिश्नर (कार्यपालक) सुश्री दीप्ति कटियार, ज्वाईंट कमिश्नर (S.I.B.) संजय कुमार कुशवाहा, आलोक कुमार एवं उपायुक्त प्रशासन रोहित मालवीय उपस्थित रहे।

'रणवीर इलाहबादिया...

उससे पूरा समाज शर्मिंदा होगा। कोर्ट ने रणवीर को आदेश दिया है कि वो बिना उनकी इजाजत लिए देश से बाहर नहीं जा सकते हैं। यूट्यूबर को उनका पास्टपोर्ट पुलिस थाने में जमा करने को कहा गया है।

रणवीर के वकील अभिनव चंद्रचूड़ ने कोर्ट में बताया कि यूट्यूबर को जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। उनके जीभ काटने पर 5 लाख का इनाम रखा गया है। इस पर कोर्ट ने वकील को टोकते हुए कहा था- क्या आप उनके द्वारा इस्तेमाल की गई भाषा को डिफेंड कर रहे हैं? इस पर सफाई देते हुए रणवीर के वकील ने कहा कि वो भी इन शब्दों से निजी तौर पर आहत हैं लेकिन क्या बात इतनी बड़ी है कि उनपर आपराधिक मुकदमा चलाया जाए?

कोर्ट ने फटकार लगाते हुए कहा- आप इसका बचाव कर रहे हैं कि यह अश्लीलता नहीं है। तो अश्लीलता के मानक क्या हैं, हमें बताइए। तो फिर आप अपनी ऐसी मानसिकता कहीं भी दिखा सकते हैं? क्या जजमेंट आपको कुछ भी करने का लाइसेंस दे देता है? जस्टिस कांत ने कहा- रणवीर कह सकते हैं कि इतनी सारी FIR होने की वजह से वो खुद के बचाव का अधिकार खो रहे हैं, हम उस पर विचार कर सकते हैं। क्या दोनों FIR में एक जैसा कंटेंट है? कांउसेल के हामी भरने पर कोर्ट ने कहा- इसका मतलब आपने FIR नहीं पढ़ी है।

दिल्ली की तर्ज पर...

इसकी एक गणना की जा रही है। ये गणना यूजीआर से रोजाना सप्लाई किए गए पानी से होती है। इसी आधार पर एक मानक तय हो जाएगा कि इस सोसायटी में कितना पानी रोजाना यूज हो रहा है। और कितने बिल सोसायटी वाले दे रहे है। इन सभी के आधार पर ही प्रति यूनिट दर तय की जाएगी।

प्राधिकरण वाटर मीटर के साथ ऑनलाइन बिल जमा करने के लिए जल एप (जल बिलिंग) लेकर आ रहा है। इस जल एप में रीडिंग देख सकेंगे। जिसे यूपीआई से जोड़ा जाएगा। इसमें एसएमएस अलर्ट भी होगा। यानी मंथली बिल जनरेट हाने पर आपको एप पर एक एसएमएस आ जाएगा। इसके बाद आप बिल जमा कर सकेंगे और इसकी रसीद आपको मिल जाएगी। ये एप गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड किया जा सकेगा।

खास खबर

खादिम इंडिया वितरण कारोबार अलग करेगी

कोलकाता। भारतीय जूते-चप्पल क्षेत्र की अग्रणी कंपनी खादिम इंडिया लिमिटेड ने मार्च 2025 तक अपने वितरण कारोबार को अलग करने और मई तक नई इकाई के शेयर बाजारों में सूचीबद्ध करने की उम्मीद जताई है। कंपनी के एक वित्तीय अधिकारी ने इसकी पुष्टि की है और एनसीएलटी से विभाजन की जल्दी घोषणा की उम्मीद जताई है। इस रणनीतिक कदम से खादिम की उम्मीद है कि वितरण और विनिर्माण गतिविधियों को केएफएल में विभाजित करने से मुद्दे सुलझेंगे और मुनाफे में सुधार होगा। इससे ब्रांड के 890 स्टोरों के नए उत्पादों का लाभ भी होगा। खादिम अपने वित्त वर्ष 2025-26 में मुनाफे के विस्तार पर पूरी तरह से केंद्रित है और वसंत/ग्रीष्म ऋतु में एथलेटिक खंड की शुरूआत करने की तैयारी में है।

सेल के 11 अधिकारी समय से पहले रिटायर्ड

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की इस्पात कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने आचरण अनुशासन के तहत 50 वर्ष से अधिक आयु के 11 अधिकारियों को समय से पहले सेवानिवृत्त कर दिया है। सेल ने देर रात जारी बयान में कहा कि 50 वर्ष से अधिक आयु के अधिकारियों की सत्यनिष्ठा और प्रभावोत्पादकता का आकलन करने की नीति है। इस संबंध में कंपनी के निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित विस्तृत दिशानिदेशों में सेवा रिकॉर्ड के आधार पर अधिकारियों की प्रभावशीलता, दक्षता, आचरण और सत्यनिष्ठा की समीक्षा के लिए मानदंड निर्धारित किए गए हैं।

होम लोन पर ब्याज के खिलाफ एसआईपी का फॉमूर्ला

मुंबई। आरबीआई के रेपो दर घटाने के बाद से कई बैंकों ने ब्याज दरों में कटौती की है। यह उन लोगों के लिए भी बड़ी राहत है, जो पहली बार मकान खरीदने की योजना बना रहे हैं। अगर आप भी होम लोन लेकर मकान खरीदना चाहते हैं, तो तय करें कि किस ब्याज दर पर कितने साल के लिए कितना कर्ज लेना है। इस बात की भी गणना करें कि ऋण अवधि के दौरान आपको अपने कर्ज पर कितना ब्याज चुकाना होगा। गणना करने पर यह समझ में आ जाएगा कि आप जितना कर्ज ले रहे हैं, उससे ज्यादा आपको ब्याज चुकाना पड़ेगा। ब्याज के रूप में होने वाले इस नुकसान की भरपाई के लिए आप एसआईपी के 15 फीसदी फॉमूर्ले का इस्तेमाल कर सकते हैं। पूरी कर्ज अवधि के दौरान चुकाए जाने वाले ब्याज का बोझ कम करने में सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) का 15 फीसदी का फॉमूर्ला काफी मददगार साबित हो सकता है।

आधुनिक फीचर्स से लैस है मार्वल इलेक्ट्रिक स्कूटी

नई दिल्ली। दो पहिया वाहन निमार्ता कंपनी मंत्रा की मार्वल इलेक्ट्रिक स्कूटी बेहतरीन विकल्प है, जो न केवल सस्ती है बल्कि आधुनिक फीचर्स से भी लैस है। यह इलेक्ट्रिक स्कूटी 60 वोल्ट की लेड-एसिड बैटरी के साथ आती है, जो 6 से 7 घंटे में पूरी तरह चार्ज हो जाती है और एक बार चार्ज करने पर 100 किलोमीटर तक चल सकती है। इसकी अधिकतम स्पीड सीमित है, जिससे यह सुरक्षित और किफायती साबित होती है। इस स्कूटी की कीमत मात्र 48,000 रुपये रखी गई है, जिससे यह बजट फ्रेंडली विकल्प बन जाती है। मार्वल स्कूटी में स्टाइलिश ब्लैक लोडर, एलईडी लाइट, डिजिटल डिस्प्ले, दोनों तरफ पायदान और पीछे कैरियर दिया गया है।

बाजार में इलेक्ट्रिक स्कूटी मचा रही धूम

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में इलेक्ट्रिक स्कूटी भी धूम मचा रही है। हम आपको बताने वाले हैं एक स्कूटी के बारे में जो इलेक्ट्रिक होने के बावजूद भी अधिक वजन वाले समान को ढो सकेगी। तो आईए जानते हैं इस इलेक्ट्रिक स्कूटी की क्या है खासियत और इसकी बाजार में कीमत कितनी है और इसमें कौन-कौन से फीचर्स हैं। इस इलेक्ट्रिक स्कूटी की खास बात यह है कि इसमें रिवर्स मोड भी उपलब्ध है।

नेपाल से सोयाबीन आयात बढ़ने से भारत चिंतित

❖ सोयाबीन तेल के आयात में अप्रत्याशित रूप से 14 गुना वृद्धि दर्ज की गई

एजेंसी

नई दिल्ली। नेपाल से भारत में सोयाबीन तेल के आयात में हुई जोरदार वृद्धि ने सरकार को चिंता में डाल दिया है। नेपाल सोयाबीन का बड़ा उत्पादक नहीं है। सोयाबीन तेल के बढते आयात से अधिकारियों को दाल में कुछ काला नजर आ रहा है। आशंका जताई जा रही है कि नेपाल, भारत-नेपाल व्यापार संधि 2009 के तहत मिलने वाले शून्य-शुल्क सुविधा का अनुचित लाभ उठा रहा है। नेपाल में कई रिफाइनिंग उद्योग भारतीय व्यवसायियों द्वारा संचालित हैं लेकिन नेपाल की घरेलू खपत बहुत कम है, जिससे साफ पता चलता है कि यह उद्योग मुख्य रूप से भारत के एफटीए शुल्क ढांचे का लाभ उठाने के लिए संचालित हो रहा है। नेपाल से सोयाबीन तेल के आयात में अप्रत्याशित रूप से 14 गुना वृद्धि दर्ज की गई है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार अप्रैल से नवंबर 2024 की अवधि में नेपाल से आयात में यह उछाल पिछले वर्ष की तुलना में दर्ज किया गया है, जबकि नेपाल इस वस्तु का सीमित उत्पादक है। नवंबर 2024 में नेपाल से सोयाबीन तेल का आयात 23.46 मिलियन डॉलर तक पहुंच गया, जबकि नवंबर 2023 में यह मात्र 1.42 मिलियन डॉलर था। इसी तरह, अप्रैल से नवंबर 2024 की अवधि में कुल आयात 38.15 मिलियन डॉलर तक पहुंच गया, जो 2023 में सिर्फ 2.81 मिलियन डॉलर था। यह तेजी ऐसे समय में आई है जब भारत में सोयाबीन तेल का कुल आयात भी बढ़ रहा है। अप्रैल से नवंबर 2024 में कुल सोयाबीन तेल आयात 19 फीसदी बढ़कर लगभग 3 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जबकि 2023 में यह आंकड़ा 2.5 अरब डॉलर था। हालांकि, इसी अवधि में ब्राजील जो दुनिया के शीर्ष सोयाबीन तेल उत्पादकों में से एक है से भारत को होने वाले निर्यात में गिरावट देखी गई। सरकार ने भारतीय तिलहन किसानों की सुरक्षा के लिए सितंबर 2023 में रिफाइंड पाम ऑयल, सोया ऑयल और सनफ्लावर ऑयल पर आयात शुल्क 20 फीसदी बढ़ाकर 35.75 फीसदी कर दिया था। इसके बाद नेपाल से आयात तेजी से बढ़ा है।

मखाने की मांग में इजाफा होने से उत्पादन में बढ़ोतरी

एजेंसी

नई दिल्ली। बिहार के मिथिलांचल में मखाने की खेती की मांग तेजी से बढ़ रही है। पांच साल पहले कोरोना महामारी ने शुरूआत में कारोबारों के लिए काल लेकिन मखाने के कारोबार में नई उम्मीद जगा दी है। मिथिलांचल रेगिस्तान में उगाए जाने वाले मखाने किसानों के लिए अब एक बड़ा मौका बन गया है। कोरोना के बाद मखाने की मांग में इजाफा होने से उत्पादन में बढ़ोतरी हुई है। मिथिलांचल में मखाने की खेती बढ़ाने के लिए बिहार सरकार और केंद्र सरकार के बीच कई उपाय किए जा रहे हैं। इस बार के आम बजट में मखाना बोर्ड बनाने की घोषणा के बाद, बिहार के मखाने की मांग विदेश में भी बढ़ने की उम्मीद है। मखाने के दाम दो-तीन गुना बढ़ने से किसानों की आमदनी में भी खूब वृद्धि हुई है। बिहार के कई किसानों ने अपनी खेती में मखाना की उत्तम किमत पा ली है। मखाने में प्रोटीन की भरपूरता और रोग प्रतिरोधक क्षमता के कारण इसकी मांग तेजी से बढ़ रही है। बिहार सरकार द्वारा मखाने की खेती को बढ़ावा देने के लिए सब्सिडी और और योजनाएं भी शुरू की गई हैं। किसानों को 72,000 रुपये प्रति हेक्टेयर की सब्सिडी दी जा रही है, जिससे उनकी खेती में और भी उत्साह और आत्मविश्वास भर रहा है। मखाने की उत्पादन में इस बढ़ोतरी का सबसे बड़ा फायदा बिहार के किसानों को हो रहा है। उन्हें अब बाजार में खुद अपने उत्पादों की मांग देखने को मिल रही है। इस बढ़ती मांग से मखाने की उत्पादनत और अनुपात में भी सुधार हो रहा है, जिससे किसानों की आमदनी में भी सहायता मिल रही है।

स्टॉक मार्केट में चंदन हेल्थकेयर की धांसू एंट्री

पहले ही दिन लगा अपर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली। नॉर्थ इंडिया में डायग्नोस्टिक सेंटर्स चलाने वाली कंपनी चंदन हेल्थकेयर ने आज घरेलू शेयर बाजार में जोरदार एंट्री की। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 159 रुपये के भाव पर जारी हुए थे। आज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी एंट्री 3.84 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 165.10 रुपए के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के तुरंत बाद कंपनी के शेयर खरीदारी के सपोर्ट से उछल कर 173.35 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को पहले दिन ही 9.03 प्रतिशत का मुनाफा हो गया। चंदन हेल्थकेयर का 107.36 करोड़ रुपये का आईपीओ 10 से 12 फरवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से ठीक ठाक रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 7.04 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 7.58 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 18.85 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.44 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 70.79 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 22,99,936 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए बेचे गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी लखनऊ में नया फ्लैगशिप डायग्नोस्टिक सेंटर लगाने, अयोध्या और लखनऊ में नया सेंट्रल रिफरेंस लैबोरेट्री सेटअप करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है।

48 घंटे में बना नोरा फतेही का सिजलिंग स्नेक आउटफिट

एजेंसी

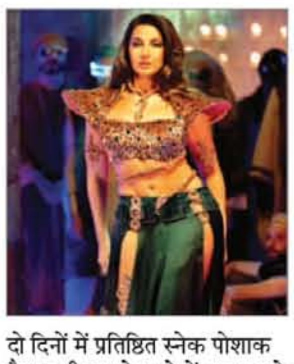

मुंबई। ग्लोबल सेंसेशन नोरा फतेही का म्यूजिक इंडस्ट्री में दबदबा कायम है क्योंकि अंतरराष्ट्रीय पॉप स्टार जेसन डेरुलो और नोरा फतेही के सहयोग से बने उनके नवीनतम ट्रैक 'स्नेक' ने 100 मिलियन व्यूज पार कर लिए हैं। जबकि फैंस उनके शानदार विजुअल और धमाकेदार बीट्स के दीवाने हो गए हैं। एक एक्सक्लूसिव बिहाइंड-द-सीन यह खुलासा सामने आया है कि म्यूजिक वीडियो में उनका हैरान कर देने वाला आउटफिट महज दो दिनों में मनीष मल्होत्रा द्वारा डिजाइन किया गया था। लुक के निर्माण की एक दिलचस्प बात यह है कि मनीष मल्होत्रा ने केवल दो दिनों में प्रतिष्ठित स्नेक पोशाक तैयार की। इसके बारे में बात करते हुए, उन्होंने कहा नोरा एक ऐसी शख्स हैं जिन्हें मैं सच में पसंद करता हूं। और मैं बहुत प्यार करता हूं। इसलिए मैंने सच में सोचा, मैं यह करूंगा। और मैं यह दो दिनों में करूंगा। हाल ही में साझा किए गए एक बीटीएस वीडियो में, नोरा फतेही प्रशंसकों को अपने साहसी और ग्लैमरस 'स्नेक' लुक की अंदरूनी झलक दिखाती हैं। असाधारण पहनावा, जो एक वायरल फैशन मोमेंट बन चुका है, महज 48 घंटे में प्रसिद्ध डिजाइनर मनीष मल्होत्रा द्वारा तैयार कर दिया गया है। अपने बेदाग फैशन सेंस के लिए मशहूर नोरा फतेही ने स्नेक में स्टाइल और परफॉर्मेंस की सीमाओं को आगे बढ़ाया है। बीटीएस फुटेज में, वह प्रशंसकों को अपनी स्टाइलिंग यात्रा से रूबरू कराती है, अपने कॉस्ट्यूम ट्रायल, आखिरी मिनट में बदलाव और प्रत्येक लुक के पीछे की रचनात्मक ऊर्जा का प्रदर्शन करती है।

सारा अरफीन खान व अरफीन खान : बिग बॉस 18 की सबसे अमीर जोड़ी

एजेंसी

मुंबई। सारा अरफीन खान और अरफीन खान बिग बॉस 18 की सबसे प्रशंसित और प्रशंसित जोड़ी में से एक थे। दोनों ने बहुत गरिमा के साथ खेला और निश्चित रूप से यही उनके लिए सबसे अलग था। यह जोड़ी बिग बॉस रियलिटी शो का हिस्सा बनने वाली सबसे अमीर जोड़ी भी लगती है। इस शो में सारा अरफीन खान या अरफीन खान ने खुद अपनी संपत्ति के बारे में खुलासा नहीं किया था। हम बात कर रहे हैं कशिश कपूर और रजत दलाल की। शो के एक वीडियो स्कूप में जो अब वायरल हो रहा है, कशिश और रजत दोनों सारा के सामने उसके और उसके पति अरफीन खान की संपत्ति के बारे में बात करते हुए दिखाई देते हैं और बातचीत वास्तव में बहुत प्यारी थी। अरफीन और सारा के 42 लिमिटेड एडिशन लग्जरी कारों के मालिक होने के विषय पर रजत दलाल के इर्द-गिर्द बातचीत शुरू होती है। रजत ने शो में पहले शहजादा धामी के साथ इस बारे में अरफीन की बातचीत के बारे में दोहराया, जिस पर कशिश ने इस बारे में बात की कि कैसे अरफीन शो से उनकी पसंदीदा प्रतियोगियों में से एक थी।

मारुति सुजुकी के लोकप्रिय मॉडल डिजायर की कीमतों में बढ़ोतरी

एजेंसी

नई दिल्ली। अपने लोकप्रिय मॉडल डिजायर की कीमतों में मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने बढ़ोतरी कर दी है। नई डिजायर की शुरूआती कीमत रुपए 6.79 लाख (एक्स-शोरूम) थी, लेकिन फरवरी 2025 में इसके कुछ वेरिएंट्स के दाम रुपए 5,000 से रुपए10,000 तक बढ़ा दिए गए हैं। वीएक्सआई एएमटी और झेडएक्सआई एएमटी वेरिएंट्स की कीमतों में रुपए 10,000 की वृद्धि हुई है, जबकि अन्य वेरिएंट्स की कीमतें रुपए 5,000 तक बढ़ी हैं। नई डिजायर को अपडेटेड डिजाइन और एडवांस फीचर्स के साथ बाजार में उतारा गया है। यह कार सात कलर ऑप्शंस में उपलब्ध है, जिनमें गालांट रेड, पर्ल आर्टीक व्हाइट, स्पलेंडिड सिल्वर, मेग्मा ग्रे, ब्लूनिस ब्लैक, नटमेग ब्राउन और अल्लूरिंग ब्ल्यू शामिल हैं। इसमें एलईडी हेडलाइट्स, डुअल-टोन इंटीरियर, ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल, रियर एसी वेंट्स, 360-डिग्री कैमरा, वायरलेस चार्जर और इलेक्ट्रिक सनरूफ जैसे फीचर्स दिए गए हैं। नई डिजायर में झेड12ई इंजन दिया गया है, जो 82 हॉर्सपावर और 112 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। यह इंजन पुराने मॉडल की तुलना में अधिक फ्यूल एफिशिएंट है। कंपनी के अनुसार, नई डिजायर मैनुअल ट्रांसमिशन पर 24.79 केएमपीएल, एएमटी पर 25.71 केएमपीएल और सीएनजी वेरिएंट में 33.73 km/kg तक का माइलेज देने में सक्षम है। सीएनजी वेरिएंट सिर्फ मैनुअल ट्रांसमिशन में उपलब्ध होगा। सेफ्टी के लिहाज से भी नई डिजायर को और मजबूत बनाया गया है। इसमें छह एयरबैग, एबीएस के साथ ईबीडी, ईएसपी विद हिल होल्ड और टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम जैसे सेफ्टी फीचर्स मिलते हैं।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने अप्रैल-दिसंबर में 12 भूखंड खरीदे

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-दिसंबर अवधि के दौरान गोदरेज प्रॉपर्टीज ने 23,450 करोड़ रुपये की आवासीय परियोजनाओं के विकास के लिए 12 भूखंडों का अधिग्रहण किया है। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने नए कारोबार विकास के तहत भूमि का अधिग्रहण किया है तथा भूस्वामियों के साथ साझेदारी भी की है। गोदरेज प्रॉपर्टीज के एक कार्यकारी अधिकारी ने कहा कि दिसंबर तिमाही के दौरान कारोबारी विकास बहुत मजबूत रहा। उन्होंने कहा कि कंपनी ने चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के दौरान लगभग 11,000 करोड़ रुपये की कुल बुकिंग क्षमता वाली नई परियोजनाओं पर हस्ताक्षर किए हैं।

सैमसंग ने की नई बीस्पोक एआई रेफ्रिजरेटर सीरीज लांच

❖ बीस्पोक एआई रेफ्रिजरेटर सीरीज उपभोक्ताओं को तकनीक, डिजाइन और सुविधा का बेहतरीन संतुलन प्रदान करती है

एजेंसी

रांची। सैमसंग ने नई बीस्पोक एआई रेफ्रिजरेटर सीरीज लॉन्च की है, जो 330 लीटर और 350 लीटर की क्षमता में उपलब्ध होगी। यह नई सीरीज एडवांस्ड एआई तकनीक से लैस है, जिसमें एआई एनर्जी मोड, एआई होम केयर और स्मार्ट फॉरवर्ड जैसे फीचर्स शामिल हैं। यह खूबसूरत डिजाइन और सुविधाजनक स्टोरेज विकल्पों के साथ आता है। भारतीय उपभोक्ताओं की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए, इस सीरीज में स्टाइल, इनोवेशन और बेहतरीन परफॉर्मेंस का शानदार मेल किया गया है। सैमसंग इंडिया के सीनियर डायरेक्टर, डिजिटल अप्लायंसेज, गुफरान आलम ने कहा, हमारी बीस्पोक एआई रेफ्रिजरेटर सीरीज उपभोक्ताओं को तकनीक, डिजाइन और सुविधा का बेहतरीन संतुलन प्रदान करती है। यह न केवल एआई से संचालित एनर्जी सेविंग, बल्कि बेहतर कूलिंग और हाईजीन सॉल्यूशंस भी देती है, जो बदलती भारतीय जीवनशैली के अनुरूप है। खूबसूरत फिनिश और स्मार्ट फॉरवर्ड, एआई होम केयर, ट्विन कूलिंग प्लस और कन्वर्टिबल 5-इन-1 मोड्स जैसे एडवांस्ड फीचर्स के साथ, हमारा लक्ष्य अपने ग्राहकों को ऐसे उपकरण देना है जो उनकी रोजमर्रा की जिंदगी को आसान और अधिक सुविधाजनक बनाएं। नई बीस्पोक एआई रेफ्रिजरेटर सीरीज न केवल स्मार्ट एनर्जी मैनेजमेंट में मदद करती है, बल्कि खाद्य पदार्थों की ताजगी बनाए रखने और एक्टिव फ्रेश फिल्टर जैसी उन्नत सुविधाएँ भी प्रदान करती है। यह फिल्टर 99.9 प्रतिषत तक हानिकारक बैक्टीरिया को खत्म करता है, जिससे आपका खाना अधिक सुरक्षित और स्वच्छ बना रहता है। यह सब कुछ स्लीक और कस्टमाइजेबल डिजाइन में पेश किया गया है।

साहस व हौंसले की बेमिसाल कहानी, चंदू चैंपियन

एजेंसी

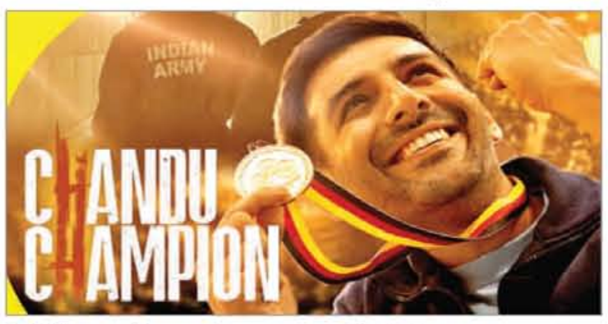

मुंबई। एक सच्चा चैंपियन सिर्फ जीत से नहीं, बल्कि हर बार गिरकर उठने की हिम्मत से पहचाना जाता है। एंड पिक्चर्स पर चंदू चैंपियन का चैनल प्रीमियर, मंगलवार, 18 फरवरी, रात 8 बजे। कार्तिक आर्यन की यह प्रेरणादायक फिल्म भारत के पहले पैरा ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट मुरलीकांत पेटकर की सच्ची कहानी पर आधारित है, जिनकी ज़िंदगी में तमाम मुश्किलें आई, लेकिन उनके हौंसले और मेहनत ने हर चुनौती को मात दी। चंदू चैंपियन इसी जज्बे को दर्शाती है कि अगर इरादे पक्के हों, तो कोई भी मुश्किल रास्ते में रुकावट नहीं बन सकती। फिल्म के निर्देशक कबीर खान ने कहा, मुरलीकांत पेटकर की कहानी बहुत अहम है, क्योंकि यह इंसानी जज्बे की जीत को दर्शाती है। मैं इस फिल्म को ऐसा बनाना चाहता था, जो दर्शकों के दिल को छू जाए। कार्तिक आर्यन ने कहा, इस किरदार ने मुझे असली जज्बे और मेहनत का मतलब सिखाया। हर चुनौती हमें कुछ नया सिखाती है और हमारे व्यक्तित्व को गढ़ती है। मुझे उम्मीद है कि यह फिल्म लोगों को अपने सपनों के लिए मेहनत करने और कभी हार न मानने का हौंसला देगी।

एपीडा ने ऑस्ट्रेलिया को भारतीय अनार की पहली समुद्री खेप भेजने में मदद की

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के कृषि निर्यात के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने एग्रोस्टार और केबी एक्सपोर्ट्स के साथ मिलकर समुद्र के रास्ते ऑस्ट्रेलिया को क्रमशः प्रीमियम सांगोला और भगवा अनार की भारत की पहली वाणिज्यिक परीक्षण खेप सफलतापूर्वक पूरी की। यह भारतीय ताजा उपज के लिए बाजार पहुंच का विस्तार करने में एक बड़ी सफलता है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अनुसार भारतीय अनार के निर्यात के लिए बाजार तक पहुंच प्राप्त करने के बाद फरवरी 2024 में ऑस्ट्रेलिया को अनार के निर्यात के लिए एक कार्य योजना और मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) पर हस्ताक्षर किए गए। एपीडा और राष्ट्रीय पौध संरक्षण संगठन (एनपीपीओ) द्वारा सफल बाजार पहुंच सुविधा के बाद जुलाई 2024 में पहली हवाई शिपमेंट हुई। हवाई शिपमेंट ने बाजार की मांग का आकलन करने में मदद की, जिसके कारण लागत दक्षता को अनुकूलित करने के लिए समुद्री शिपमेंट का अनुसरण किया गया। पहली समुद्री माल ढुलाई शिपमेंट 6 दिसंबर, 2024 को भारत से रवाना हुई और 13 जनवरी, 2025 को सिडनी पहुंची, जिसमें महाराष्ट्र के सोलापुर क्षेत्र से प्राप्त 5.7 मीट्रिक टन (एमटी) अनार थे। इन्हें 1,900 बक्सों में पैक किया गया था, जिनमें से प्रत्येक में 3 किलोग्राम प्रीमियम फल थे। भगवा किस्म के 1,872 बक्से (6.56 टन) ले जाने वाला एक और वाणिज्यिक समुद्री शिपमेंट 6 जनवरी, 2025 को ऑस्ट्रेलिया के ब्रिसबेन पहुंचा। बल्क समुद्री शिपमेंट के उपयोग ने प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण सुनिश्चित किया, किसानों को लाभ पहुंचाया और स्थायी व्यापार के अवसर पैदा किए। दोनों शिपमेंट को भारत की ट्रेसेबिलिटी प्रणाली अनारनेट में एकीकृत किया गया, जिससे पारदर्शिता सुनिश्चित हुई और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में उपभोक्ता का विश्वास बना। यह सफल निर्यात न केवल वैश्विक गुणवत्ता मानकों को पूरा करने में भारत की क्षमताओं को रेखांकित करता है, बल्कि नए राजस्व स्रोतों को खोलकर भारतीय किसानों को महत्वपूर्ण बढ़ावा भी देता है। अनार को सिडनी, ब्रिसबेन और मेलबर्न में अत्यधिक सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। एपीडा के अध्यक्ष अभिषेक देव ने इस बात पर जोर दिया कि भारत का कृषि निर्यात परिदृश्य अभूतपूर्व गति से बढ़ रहा है, जिसमें ताजे फलों का निर्यात साल-दर-साल 29% बढ़ रहा है। अकेले अनार में 20% की वृद्धि देखी गई है, जो इस क्षेत्र की अपार संभावनाओं को दर्शाता है। ऑस्ट्रेलिया को प्रीमियम अनार की सफल शिपमेंट भारत की समझदार अंतरराष्ट्रीय बाजारों में उच्च गुणवत्ता वाली ताजा उपज की आपूर्ति करने की क्षमता को दर्शाती है।

अपकमिंग प्रोजेक्ट्स से दर्शकों को मन्त्रमुग्ध करेंगे हरिओम शर्मा

एजेंसी

मुंबई। फिल्म निर्माता हरिओम शर्मा का नया धारावाहिक वसुंधरा जल्द ही दूरदर्शन वन पर रिलीज होने वाला है। हरिओम शर्मा उत्तरप्रदेश के डीजीपी और वर्तमान लोकसभा सदस्य की लिखित कहानी लखनऊ के रंगबाज पर भी सीरीज बनाने वाले हैं। वह फिल्म कर्ज के फेमस गीत एक हसीना थी के गाने का रिमेक गीत भी सारेगामा पर लॉन्च करने वाले हैं। इनके अपकमिंग प्रोजेक्ट्स की एक लंबी कतार है जो एक एक करके पर्दे से बाहर आएगी और दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेगी। हरिओम शर्मा हरियाणा के गुड़गांव में पटौदी डिस्ट्रिक्ट के भोड़ाकला के निवासी हैं। एक सम्पन्न परिवार में जन्मे हरिओम शर्मा किसी कमी के मोहताज नहीं थे। हाँ, पढ़ाई में ये जरा पीछे थे और चौथी में फेल होने का रिकॉर्ड भी बनाया। हालात ऐसे बने कि इन्हें घर छोड़कर भागना पड़ा। हुआ यूं कि जब ये कम उम्र के ही थे तभी इनसे गलती हो गई और इनके पिताजी इन्हें मारेंगे इस डर से ये दिल्ली से भागकर मुम्बई आ गए और यहीं से इनका संघर्ष भरा जीवन प्रारंभ हुआ। पेट भरने के लिए ये होटल पर प्लेट धोने लगे और सड़कों पर सोने लगे। मलमल पर सोने वाले का बिछौना खुरदरी जमीन बन गया था। लेकिन अच्छे इंसान की भगवान किसी ना किसी रूप में सहायता करते हैं, इन्हें भी एक सज्जन मिल गये।

विजय अभियान जारी रखने उतरेंगे दिल्ली कैपिटल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

वडोदरा (एजेंसी)। अपने पहले मैच में विपरीत अंदाज में जीत दर्ज करने वाले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और दिल्ली कैपिटल्स महिला प्रीमियर लीग में सोमवार को यहां जब आमने-सामने होंगे तो उनका लक्ष्य अपना विजय अभियान जारी रखना होगा। मौजूदा चैंपियन आरसीबी ने टूर्नामेंट के उद्घाटन मैच में गुजरात जायंट्स को छह विकेट से हराया जबकि दिल्ली कैपिटल्स ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ अंतिम गेंद पर जीत दर्ज की।

अच्छी शुरुआत से दोनों टीम का मनोबल बढ़ा होगा लेकिन आरसीबी की टीम विशेषकर बल्लेबाजी और गेंदबाजी में अधिक संतुलित नजर आ रही है और इसलिए वह इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगी। आरसीबी की बल्लेबाजी इकाई की मजबूती का पता इससे चलता है कि उसने 200 से अधिक रन के लक्ष्य को बड़ी आसानी से हासिल किया।

स्मृति मंधाना की अगुवाई वाली टीम अपना यह प्रदर्शन जारी रखने की कोशिश करेगी। आरसीबी को राघवी बिष्ट और कनिका आहूजा जैसी युवा खिलाड़ियों के कारण मजबूती मिली है जो मंधाना, एलिसे पेरी, ऋचा घोष और डैनी व्याट के साथ सहजता से घुल-मिल गई हैं। राघवी और कनिका ने पहले मैच में जीत में अहम भूमिका निभाई थी। आरसीबी के गेंदबाजों को हालांकि कसी हुई गेंदबाजी करनी होगी। गेंदबाजी ने उसे पेरी की कमी महसूस हो रही है। ऑस्ट्रेलिया की यह स्टार ऑलराउंडर चोटिल होने के कारण टूर्नामेंट के शुरुआती चरण में गेंदबाजी नहीं कर पाएंगी।

दिल्ली की बल्लेबाजी बेहद मजबूत है और आरसीबी के गेंदबाजों को उन पर लगाम लगाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। दिल्ली की बल्लेबाजी इकाई में कप्तान मेग लैनिंग, एनाबेल सदरलैंड, शैफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, एलिस कैप्सी और सारा ब्राइस जैसी धुरंधर बल्लेबाज हैं जो किसी भी तरह के

आक्रमण की धज्जियां उड़ा सकती हैं। तेज गेंदबाज शिखा पांडे की अगुवाई वाली दिल्ली की गेंदबाजी इकाई ने पिछले मैच में मुंबई इंडियंस को 164 रन पर रोककर अच्छा प्रदर्शन किया था जिसे वह जारी रखने की कोशिश करेंगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

दिल्ली कैपिटल्स : मेग लैनिंग (कप्तान), एलिस कैप्सी, सारा ब्राइस, एनाबेल सदरलैंड, मिन्नू मणि, शैफाली वर्मा, अरुंधति रेड्डी, एन चरानी, शिखा पांडे, जेमिमा रोड्रिग्स, नंदिनी कश्यप, स्नेहा दीप्ति, जेस जोनासेन, निकी प्रसाद, तानिया भाटिया, मारिज़ैन कैप, राधा यादव, टिटास साधु।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु : स्मृति मंधाना (कप्तान), नुजहत परवीन, जोशिता वीजे, ऋचा घोष, डैनी व्याट, कनिका आहूजा, सब्बीनेनी मेघना, एकता बिष्ट, किम गर्थ, श्रेयंका पाटिल, एलिसे पेरी, प्रेमा रावत, जॉर्जिया वेयरहैम, राघवी बिस्ट, हीथर ग्राहम, जाग्रवी पवार, रेणुका सिंह, चार्ली डीन।

रणजी टीम से भी बाहर हुए यशस्वी

मुम्बई (एजेंसी)। युवा सलामी बल्लेबाज जायसवाल को आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए शामिल नहीं किया गया है। ऐसे में यशस्वी रणजी ट्रॉफी में खेलने जा रहे थे पर अब वह भी संभवन नहीं है। यशस्वी चोटिल होने के कारण रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल से भी बाहर हो गए हैं। रणजी सेमीफाइनल नागपुर के जामठा में सोमवार से मुंबई और विदर्भ के बीच शुरु होगा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार यशस्वी के बाएं टखने में दर्द है और उनको जांच के लिए बेंगलुरु के बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ले जाया जाएगा। आज रविवार को नागपुर में मुंबई के अभ्यास सत्र में फील्डिंग पर नेट्स में बल्लेबाजी करते समय उन्हें दर्द उभरने लगा। कहा जा रहा है कि उनकी पुरानी चोट फिर से उभर आई है। अब उनकी रिकवरी प्रक्रिया बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में होगी।÷

यशस्वी जायसवाल और शिवम दुबे को आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम में जगह नहीं मिली है और दोनो को ही नॉन ट्रैवलिंग सब्स्टीट्यूट के तौर पर रखा गया है। इससे साफ है कि जब कोई खिलाड़ी चोटिल होता है तो विकल्प के तौर पर इन्हें शामिल किया जाएगा। यशस्वी ने इस सत्र कमात्र रणजी ट्रॉफी मैच जम्मू और कश्मीर के खिलाफ खेला था।

चैम्पियंस ट्रॉफी में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन सकते हैं विराट

मुम्बई (एजेंसी)। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के पास एक अहम रिकार्ड बनाने का अवसर है। विराट इस टूर्नामेंट में सबसे अधिक रन बनाने वाले शीर्ष खिलाड़ी बन सकते हैं। भारतीय टीम 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी में अपने अभियान की शुरुआत करेगी और दौरान सभी की नजरें विराट कोहली पर रहेंगी। विराट ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय में अर्धशतक लगाकर फार्म हासिल कर लिया है। ऐसे में सभी को उनसे अधिक से अधिक रन बनाने की उम्मीदें रहेंगी। विराट अपनी चौथी चैंपियंस ट्रॉफी खेल रहे हैं। विराट ने अब तक 13 मैचों में 529 रन बनाए हैं और इस प्रकार वह भारतीय टीम के चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्हें चैम्पियंस ट्रॉफी में भारत के सफल बल्लेबाज बनने के लिए केव 173 रन चाहिये।

अभी शिखर धवन के नाम चैम्पियंस ट्रॉफी में सबसे अधिक रन हैं, जिन्होंने 2013 और 2017 की चैंपियंस ट्रॉफी में कुल 701 रन बनाए थे। धवन दोनों चैंपियंस ट्रॉफी में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे थे। भारत ने 2013 में ट्रॉफी जीती थी जबकि 2017 में टीम फाइनल तक पहुंची थी। वहीं पूर्व कप्तान सौरव गांगुली 665 रन के साथ दूसरे स्थान पर हैं, जिन्होंने 2000 और 2002 में चैंपियंस ट्रॉफी खेले थे। विराट ने चैंपियंस ट्रॉफी में 12 पारियों में 529 रन बनाए हैं, जिसमें पांच अर्धशतक भी शामिल हैं। उनका औसत 88.16 का है और उन्होंने 53 चौके लगाए हैं। भारत को इस टूर्नामेंट में कम से कम तीन मैच खेलने हैं, और कोहली के पास रन बनाकर इस सूची में शीर्ष स्थान हासिल करने का सुनहरा अवसर होगा।

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में केवल एक अनुभवी तेज गेंदबाज के साथ उतर रही भारतीय टीम

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टीम को 19 फरवरी से होने वाली आईसीस चैम्पियंस ट्रॉफी में खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। कप्तान रोहित शर्मा भी पिछले कुछ समय से लगातार असफल रहे हैं। ऐसे में उनका लक्ष्य भी इस ट्रॉफी का जीतकर प्रशंसकों को खुश करना रहेगा। हालांकि ये इतना आसान भी नहीं है। इसका कारया मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का नहीं होना है। बुमराह ने पिछले कुछ समय में हर सीरीज में अबसे अधिक विकेट लिए हैं। ऐसे में भारतीय टीम के पास मोहम्मद शमी के अलाव कोई भी अनुभवी तेज गेंदबाज नहीं है। टीम के पास अन्य तेज गेंदबाजों में युवा हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह है। वहीं टीम पांच स्पिनरों के साथ जा रही है।

टीम के साथ रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती जैसे स्पिनर रहेंगे। भारत के मैच दुबई में होने हैं जहां तेज गेंदबाजों को अधिक सफलता मिलती रही है। आंकड़ों पर नजर डालें तो दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम पर 2009 के बाद से 58 एकदिवसीय खेले गये हैं जिसमें तेज गेंदबाजों को पांच से कम की इकॉनामी दर से 466 विकेट मिले हैं। वहीं स्पिनरों को 334 विकेट मिले हैं और उनकी किफायत दर 4.2 रही है। वहीं भारतीय टीम 5 स्पिनर लेकर जा रही है और उसे ये रणनीति भारी पड़ सकती है। उसके पास स्पिन ऑलराउंडर के रूप में रविंद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर और अक्षर पटेल हैं जबकि विशेषज्ञ स्पिनर के तौर पर वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव हैं।

पांच स्पिनरों को लेकर जाने पर भी सवाल उठ रहे है क्योंकि दुबई की पिचों पर स्पिनरों को अधिक सहायता

नहीं मिलती है। टीम में शामिल रहस्यमयी गेंदबाज वरुण चक्रवर्ती से काफी उम्मीदें हैं और अब देखना है कि वह क्या करते हैं। चैंपियंस ट्रॉफी में लीग चरण में भारत को बांग्लादेश, पाकिस्तान और न्यूजीलैंड से खेलना है और इनमें से किसी ने भी वरुण का पहले सामना नहीं किया है। जडेजा और अक्षर का खेलना लगभग तय है और वरुण के खेलने पर कुलदीप यादव को बाहर रहना पड़ सकता है। एक पूर्व राष्ट्रीय चयनकर्ता ने कहा, दुबई में पिच से गेंदबाजों को शारजाह की तुलना में अधिक मदद मिलती है। तेज गेंदबाजों को यहां सफलता मिलती रही है जिसकी वजह से पाकिस्तान ने टीम में अधिक तेज गेंदबाज चुने हैं हालांकि उन्हें यहां ज्यादा मैच नहीं खेलने हैं। बुमराह के बाहर होने पर सिराज की जगह राणा को चुनने पर भी सवाल उठ रहे हैं क्योंकि ऐसे टूर्नामेंटों में अनुभव खिलाड़ी की जरुरत रहती है। ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या है मोहम्मद शमी और अर्शदीप या राणा के साथ तीसरे तेज गेंदबाज होंगे पर उनके साथ कई बार फिटनेस की समस्या आज जाती है।वहीं कप्तान रोहित शर्मा का कहना है कि पुरानी गेंद से अधिक प्रभावी नहीं होने के कारण ही सिराज को बाहर रखा गया। राणा ने टी20 में पदार्पण करके छठे गेंदबाज के तौर पर 33 रन देकर तीन विकेट लिए थे। भारतीय टीम की जीत के लिए कप्तान रोहित शर्मा औ अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को बड़ी पारियां खेलनी होंगी।

पाकिस्तान का तेज गेंदबाज चोट से उबरा, चैंपियन्स ट्रॉफी के लिए होगा उपलब्ध

कराची - पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस राउफ चोट से उबर चुके हैं और बुधवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में टीम के पहले मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे। सूत्रों ने यह जानकारी दी। पाकिस्तान टीम के एक करीबी सूत्र ने रविवार को पुष्टि की कि हारिस चोट से उबर गए हैं और कराची में चैंपियंस ट्रॉफी के पहले मैच में खेलेंगे। इस तेज गेंदबाज को हाल ही में त्रिकोणीय श्रृंखला के दौरान छाती की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था। सूत्र ने कहा, 'हारिस अब ठीक हैं और त्रिकोणीय श्रृंखला के पहले मैच के बाद दिए गए आराम से उन्हें उबरने में मदद मिली है।% सूत्र ने कहा कि पाकिस्तान के किसी अन्य खिलाड़ी के साथ फिटनेस संबंधी कोई समस्या नहीं है। अपनी तेज गति और बीच के ओवरों में विकेट लेने की क्षमता के साथ पाकिस्तान के प्रमुख गेंदबाजों में से एक हारिस टीम के साथ बने हुए हैं जबकि चयनकर्ताओं ने उनके विकल्प के रूप में अकिफ जावेद को बुलाया है जिन्हें पदार्पण का इंतजार है। हारिस ने 46 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में 83 विकेट और 79 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 110 विकेट चटकाए हैं। पाकिस्तान त्रिकोणीय श्रृंखला में न्यूजीलैंड से दो बार हार गया था जिसमें शुक्रवार को हुआ फाइनल भी शामिल है। टीम को चैंपियंस ट्रॉफी के पहले मैच में हार का बदला चुकता करने का मौका मिलेगा जिसमें वे गत विजेता भी हैं।

श्रेयंका डब्ल्यूपीएल से बाहर हुई

मुम्बई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की श्रेयंका पाटिल फिट नहीं होने के कारण महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2025 के तीसरे सत्र से बाहर हो गयी हैं। आरसीबी के अनुसार श्रेयंका अपनी चोट से नहीं उबर पायी हैं। इसी कारण उनकी जगह पर ऑलराउंडर स्नेह राणा को शामिल किया गया है। फेंचाइजी ने उनके बाहर होने की घोषणा करते हुए कहा कि ये खिलाड़ी अपनी पिंडली की चोट से परेशान हैं जिसका वह अभी इलाज करायेंगी। श्रेयंका ने आरसीबी की ओर से पिछले सत्र में अच्छा प्रदर्शन करते हुए 8 मैचों में 13 विकेट लिए थे। ऐसे में उनका बाहर होना टीम के लिए करारा झटका है। लीग में श्रेयंका के अलावा आशा शोभना और सोफी मोलिनक्स की चोटिल होकर बाहर हो गयी हैं। श्रेयंका की जगह पर शामिल राणा ने गुजरात जायंट्स के लिए डब्ल्यूपीएल के दो सत्रों के 12 मैचों में भाग लिया है। उसने दो मैचों में टीम की कप्तानी भी की थी।

चैंपियंस ट्रॉफी में स्मिथ पारी शुरु करें : गिलक्रिस्ट

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई टीम के करिश्माई विकेटकीपर बल्लेबाज रहे क्रिकेटर एडम गिलक्रिस्ट ने कहा कि 19 फरवरी से होने वाली आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में कप्तानी कर स्टीव स्मिथ पारी की शुरुआत करें। गिलक्रिस्ट के अनुसार इससे स्मिथ को अधिक से अधिक गेंदें खेलने के लिए मिलेंगी। इससे पहले हुए श्रीलंका दौरे में स्मिथ ने मध्यक्रम के बल्लेबाज के तौर पर काफी कम रन बनाये थे। गिलक्रिस्ट के अनुसार युवा बल्लेबाज जेक फ्रेजर-मैकगर्क अभी रन नहीं बना पा रहे हैं। ऐसे में स्मिथ को पारी शुरु करनी चाहिए। गिलक्रिस्ट के अनुसार मैट शॉर्ट को भी शीर्ष क्रम में ट्रैविस हेड के साथ उतारा जा सकता है पर अभी स्मिथ को पारी शुरु करनी चाहिए क्योंकि शॉर्ट के पास अधिक अनभव नहीं है।

उन्होंने कहा, मुझे मैट को बल्लेबाजी में हैड के साथ उतारना भी अच्छा प्रयोग लग रहा है। इससे बाएं हाथ और दाएं हाथ का अच्छा संयोजन बनेगा। वहीं स्मिथ भी पारी शुरु कर कर सकते हैं, टी20 में हमने उन्हें 20 ओवर के क्रिकेट में ऐसा करते हुए देखा है। वह मध्यक्रम में काफी अच्छे बल्लेबाजी है पर पारी की शुरुआत में भी वह सफल रहेंगे। इससे उन्हें ज्यादा गेंदों का सामना करने का अवसर मिलेगा। टीम चैंपियंस ट्रॉफी में मिशेल स्टार्क, जोश हेज़लवुड और पैट कमिंस जैसे शीर्ष तेज गेंदबाजों के बिना उतरेगी। इसके अलावा ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन और मिशेल मार्श भी उसके साथ नहीं हैं, ऐसे में युवा खिलाड़ियों पर अधिक जम्मेदारी है। ऑस्ट्रेलिया को चैंपियंस ट्रॉफी के लीग चरण के मैचों में इंग्लैंड, अफ़गानिस्तान और दक्षिण अफ्रीका से मुकाबला करना है। गिलक्रिस्ट को लगता है कि चैंपियंस ट्रॉफी के लिए उनकी सीमित तैयारी के कारण टीम को मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने कहा मुझे लगता है कि इस प्रारूप के संबंध में सीमित तैयारी हुई है।

चैम्पियंस ट्रॉफी सेमीफाइनल में पहुंचने लीग के सभी तीन मैच जीतने होंगे

मुम्बई। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 19 फरवरी से शुरु हो रही है। चैम्पियंस ट्रॉफी की मेजबानी पाकिस्तान कर रहा है हालांकि इसमें भारतीय टीम के मुकाबले दुबई में खेले जाएंगे। रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम खिताब की प्रबल दावेदार मानी जा रही हैं हालांकि मेजबान पाकिस्तान के अलावा ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका भी प्रबल दावेदारों में शामिल हैं। इसमें भाग ले रही सभी आठ टीमों को चार-चार टीमों के दो समूहों में बांटा गया है और इन सभी टीमों को तीन-तीन लीग मुकाबले खेलने होंगे और सेमीफाइनल में पहुंचने ये तीनों ही मैच जीतने होंगे। एक भी हार टीम को खिताब की दौड़ से बाहर कर सकती है। इसमें शीर्ष पर रही दो टीमें सेमीफाइनल में जगह बनाएगी। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी को नॉकआउट टूर्नामेंट माना जाता है। यहां एक भी मैच हारना टीम की उम्मीदों को समाप्त कर सकता है। भारतीय टीम को ग्रुप ए में मेजबान पाकिस्तान, बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के साथ रखा गया है। टीम इंडिया पहला मैच बांग्लादेश के खिलाफ 20 फरवरी को खेलेगी। इसके बाद 23 फरवरी को उसका मुकाबला पाकिस्तान से होगा। वहीं भारतीय टीम को अपना अंतिम लीग मैच 2 मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलेगी। टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में सीधे जगह बनाने के लिए सभी तीनों मैच जीतने होंगे। वहीं अगर तीन में से 1 मैच भी टीम हारती है तो उसे अन्य टीमों के परिणामों पर निर्भर रहना पड़ेगा। चार टीमों के ग्रुप में दो ऐसी टीमें जिन्होंने 2-2 मुकाबला जीते होने पर सेमीफाइनल में जाने वाली टीम का फैसला नेट रन रेट के आधार पर किया जाएगा।

यानिक सिनर और वाडा के बीच समझौता, टेनिस खिलाड़ी बोले- अब साफ-सुथरे खेल में विश्वास नहीं

लंदन। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर पर डोपिंग मामले में तीन महीने का प्रतिबंध लगाने के समझौते की टेनिस खिलाड़ियों ने कड़ी आलोचना की है। सिनर और विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) के बीच निलंबन को लेकर समझौता हो गया है जिसका मतलब है कि इटली का यह खिलाड़ी पांच मई से फिर से खेल सकता है। इससे उनकी विश्व में नंबर एक रैंकिंग पर भी कोई असर नहीं पड़ेगा तथा वह सभी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट खेल पाएंगे। पिछले साल मार्च में प्रतिबंधित एनाबॉलिक स्टेरॉयड के सेवन का दोषी पाए जाने वाले सिनर को कोई खिताब या पुरस्कार राशि भी नहीं गंवानी पड़ेगी। तीन बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्टैन वावरिंका ने एक्स पर लिखा, 'मैं अब साफ-सुथरे खेल में विश्वास नहीं करता।' विंबलडन उपविजेता निक किर्गियोस ने एक्स पर कहा, 'टेनिस में निष्पक्षता मौजूद नहीं है। सिनर की टीम ने केवल तीन महीने का प्रतिबंध लगाने के लिए अपनी तरफ से पूरी शक्ति लगा दी। कोई खिताब नहीं खोया, कोई पुरस्कार राशि नहीं खोई। दोषी है या नहीं? टेनिस के लिए दुखद दिन।' विश्व के आठवें नंबर के खिलाड़ी दानिल मेदवेदेव ने मार्सिले ओपन के सेमीफाइनल में हारने के बाद कहा, 'मुझे उम्मीद है कि हर कोई वाडा के साथ चर्चा कर सकता है और अब से यानिक सिनर की तरह खुद का बचाव कर सकता है।' विश्व के पूर्व नंबर एक ब्रिटिश खिलाड़ी टिम हेनमैन ने कहा, 'उसने अभी ऑस्ट्रेलियाई ओपन जीता है और वह अगले तीन महीने तक एटीपी टूर में नहीं खेल पाएगा लेकिन फ्रेंच ओपन में खेलने का पात्र होगा। सिनर के लिए प्रतिबंध झेलने का इससे बेहतर समय नहीं हो सकता था लेकिन यह इस खेल के लिए कड़वे घूंट की तरह है।' नोवाक जोकोविच और वासेक पोस्पिसिल द्वारा स्थापित प्रोफेशनल टेनिस प्लेयर्स एसोसिएशन ने भी निर्णय लेने की प्रक्रिया में शामिल पार्टियों की आलोचना करते हुए एक्स पर जारी बयान में कहा, 'प्रणाली कोई प्रणाली नहीं है। यह एक क्लब है। यह केवल अनुरूप सौदों, अनुचित व्यवहार और असंगत निर्णयों के लिए कवर है। इसमें पारदर्शिता की कमी और प्रक्रिया का अभाव है।'

चैंपियंस ट्रॉफी के वह एतिहासिक क्षण जिन्हें भूला पाना है मुश्किल

दुबई (यूएई) (एजेंसी)। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के 19 फरवरी से शुरू हो रही है जो पाकिस्तान और यूएई में खेली जाएगी। भारत अपने मैच यूएई में हाईब्रिड मॉडल के तहत खेलेगा जबकि बाकी का टूर्नामेंट पाकिस्तान में होगा। टूर्नामेंट से पहले आइए इसके पिछले संस्करणों के पांच सबसे प्रतिष्ठित क्षणों पर एक नजर डालते हैं जिन्हें भुला पाना मुश्किल है।

वीरेंद्र सहवाग ने गेंद से जीत दिलाने में की मदद

स्टार बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने अपनी ऑफ-स्पिन से खेल को बदल दिया क्योंकि भारत ने कोलंबो में दक्षिण अफ्रीका पर रोमांचक जीत के साथ 2002 के संस्करण के फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। सहवाग ने पहले ही शानदार अर्धशतक का योगदान दिया था, जिसमें भारत ने आर प्रेमदासा स्टेडियम में 261/9 का प्रतिस्पर्धी स्कोर बनाया था, लेकिन रन चेज के दौरान

प्रोटियाज नियंत्रण में दिखाई दिए और उन्होंने सात विकेट और नौ ओवर शेष रहते स्कोर 200 तक पहुंचा दिया। सहवाग ने मार्क बाउचर, जैक्स कैलिस और लांस क्लूजनर के महत्वपूर्ण विकेट लिए और भारत के लिए रोमांचक जीत सुनिश्चित की और श्रीलंका के खिलाफ फाइनल में अपनी जगह पक्की की।

वेस्टइंडीज की शानदार जीत

2004 में लंदन के ओवल में इंग्लैंड के खिलाफ खिताबी मुकाबले में जब मुख्य बल्लेबाज शिवनारायण चंद्रपॉल आउट हो गए और कैरेबियाई टीम को जीत के लिए 81 रन की जरूरत थी, तब वेस्टइंडीज के लिए चीजें निराशाजनक लग रही थीं, लेकिन कोर्टनी ब्राउन और इयान ब्रैडशॉ के बीच 9वें विकेट की अविश्वसनीय साझेदारी ने एक शानदार रन चेज का मार्ग प्रशस्त किया। ब्राउन और ब्रैडशॉ ने नाबाद 71 रनों की पारी खेली जिससे वेस्टइंडीज ने सात गेंद शेष रहते इंग्लैंड के 217 रनों के लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल कर लिया और कैरेबियाई टीम ने अपना पहला खिताब जीता।

इंग्लैंड ने घरेलू मैदान पर दक्षिण अफ्रीका को हराया

2009 में सेंचुरियन में हुए हाई-स्कोरिंग मुकाबले में इंग्लैंड ने मेजबान देश दक्षिण अफ्रीका पर शानदार जीत के साथ नॉकआउट चरण में अपनी जगह पक्की की। ओवैस शाह ने बल्ले से हीरो बनकर 98 रनों की पारी खेली जिसमें उन्होंने छह छक्के लगाए जबकि तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन और स्टुअर्ट ब्रॉड ने तीन-तीन विकेट चटकाए जिससे प्रोटियाज टीम जवाब में बुरी तरह से पिछड़ गई। ग्रीम स्मिथ ने दक्षिण अफ्रीका के लिए शानदार 141 रन की पारी खेली लेकिन यह काफी नहीं था क्योंकि इंग्लैंड ने काफी तेजी के साथ सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

लसिथ मलिंगा का कम स्कोर वाले रोमांचक मैच में शानदार प्रदर्शन

कम स्कोर वाले मुकाबलों में अक्सर रोमांचक अंत होता है और 2013 में कार्डिफ में ऐसा ही हुआ जब न्यूजीलैंड ने श्रीलंका पर एक विकेट से शानदार जीत दर्ज की। बहुत से लोगों ने उम्मीद नहीं की होगी कि श्रीलंका का 138 रन का स्कोर प्रतिस्पर्धी होगा, लेकिन तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा के इरादे कुछ और ही थे, उन्होंने ब्लैक कैप्स के मध्यक्रम को तहस-नहस कर दिया और न्यूजीलैंड को जवाब में 122/8 पर रोक दिया। टिम साउथी और मिशेल मैक्लेनाघन को न्यूजीलैंड को जीत दिलाने की जिम्मेदारी सौंपी गई, लेकिन इससे पहले श्रीलंका ने बड़ा उलटफेर कर दिया था।

फखर जमान ने पाकिस्तान को भारत पर जीत दिलाई

लंदन के ओवल में एक यादगार दिन था, जब पाकिस्तान ने अपने चिर प्रतिद्वंद्वी भारत पर जोरदार जीत के साथ अपना पहला चैंपियंस ट्रॉफी खिताब जीता। सलामी बल्लेबाज फखर जमान ने शानदार शतक के साथ पाकिस्तान को 338/4 का स्कोर बनाने में मदद की और मोहम्मद आमिर के शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन ने सुनिश्चित किया कि यह स्कोर पर्याप्त से अधिक हो। आमिर ने रोहित शर्मा और विराट कोहली को जल्दी-जल्दी आउट करके भारत के शीर्ष क्रम को तहस-नहस कर दिया और भारत कभी भी उबर नहीं सका और जवाब में सिर्फ 158 रन पर ढेर हो गया।

चैम्पियंस ट्रॉफी में फखर और बाबर से रहना होगा भारतीय टीम को सावधान

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम 19 फरवरी से शुरु हो रही आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए दुबई पहुंच गयी है। यहां भारतीय टीम को 23 फरवरी को पाकिस्तान से अहम मुकाबला खेलना है। ऐसे में भारतीय टीम पिछली बार हुए चैम्पियंस ट्रॉफी फाइनल की यादों को भूलना चाहेगी। तब पाक टीम के फखर जमां और बाबर आजम के कारण भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा था। इस बार भी ये

दोनो ही खिलाड़ी पाक टीम में हैं जिनसे भारतीय टीम को निपटना होगा। भारतीय टीम के लिए राहत की बात ये है कि ये इस बार अपने पहले वाले फार्म में नजर नहीं आ रहे। ऐसे में विराट कोहली की कप्तानी में मिली हार का हिसाब रोहित शर्मा की टीम लेना चाहेगी। पिछली बार बाबर आजम, फखर जमां और फहीम अशरफ ने पाक टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। इस बार भी ये तीनो ही पाक टीम में शामिल हैं। बाबर आजम ने 2017 के फाइनल में 52 बॉल पर 46 रन की अहम पारी खेली थी। तब पाक टीम ने 338 रन बनाये थे। वहीं फखर जमां ने शतकीय पारी खेली थी। जिससे पाक टीम 338 रन बनाने में सफल रही थी।

दिल्ली में कबीर संग नजर आईं कृति सैनन

कृति सैनन और लंदन के नामचीन बिजनेसमैन कबीर बहिया के रिलेशनशिप में होने की अफवाहें कई बार उड़ चुकी हैं। कपल को कई बार अलग-अलग जगहों पर साथ में स्पॉट किया जा चुका है, लेकिन उन्होंने कभी भी अपने रिलेशनशिप में होने की बात को स्वीकार नहीं किया। लेकिन इस बार दोनों को जब दिल्ली में एक साथ देखा तो फैंस को लगा मामला सीरियस है। कोई उनके जल्द ही शादी के बंधन में बंधने की बात कह रहा है तो किसी को लग रहा है कि कृति और कबीर के एकसाथ दिल्ली आने की क्या वजह हो सकती है? कबीर बहिया और कृति सैनन को हाल ही में दिल्ली एयरपोर्ट पर देखा गया। एक्ट्रेस ने सिर पर कैप लगाकर काला चश्मा लगाया और फिर चेहरे को मास्क से कवर कर रखा था। खुद को मीडिया की नजर से बचाने की लाख कोशिशों के बावजूद कृति सैनन को व्हाइट टॉप और ब्लू डेनिम में दूर से ही पहचाना जा सकता था। वहीं कबीर ने ब्लैक आउटफिट लिया था और दोनों के लुक्स आपस में इतने कूल लग रहे थे कि कुछ लोगों ने वीडियो पर कमेंट किया कि दोनों अपने फैंस को कपल गोल्स दे रहे हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो कबीर और कृति साथ में दिल्ली एक दूसरे की फैमिली से मिलने पहुंचे हैं। इस बात की वजह से दोनों की शादी की खबरों को और बल मिला है। रिपोर्ट की मानें तो कृति सैनन और कबीर बहिया इसी साल शादी के बंधन में बंध सकते हैं। हालांकि इस बारे में अभी तक कोई ऑफिशियल कन्फर्मेशन नहीं है और ना ही दोनों ने फैंस को सोशल मीडिया के जरिए कोई ऐसा हिंट दिया है। बीते दिनों दोनों को बेंगलुरू में साथ स्पॉट किया गया था। वर्क फ्रंट की बात करें तो कबीर बहिया का फोकस ज्यादातर अपने काम पर रहता है और वह लाइमलाइट से दूर ही रहना पसंद करते हैं। उधर कृति सैनन की पिछली फिल्म 'दो पत्ती' थी जिसे काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिला। कृति सैनन ने इस फिल्म के जरिए अपना प्रोडक्शन डेब्यू किया। एक्ट्रेस की अपकमिंग फिल्मों की बात करें तो कृति सैनन जल्द ही आनंद एल राय की फिल्म 'तेरे इश्क में' में लीड रोल प्ले करती नजर आएंगी। फिल्म में धनुष भी उनके साथ होंगे। फिल्म से उनका फर्स्ट लुक पहले ही रिलीज किया जा चुका है।

ऋतिक और ऐश्वर्या की फिल्म ऑस्कर में होगी स्पेशल स्क्रीनिंग

बॉलीवुड एक्टर ऋतिक रोशन और एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन साल 2008 में आई फिल्म 'जोधा अकबर' में साथ नजर आए थे। दर्शकों ने इस पीरियड ड्रामा फिल्म को खूब पसंद किया था। भारत में ये फिल्म हिट साबित हुई थी। इस फिल्म को 17 साल पूरे हो गए हैं। अब ऋतिक और ऐश्वर्या की फिल्म को लेकर ऑस्कर ने खास ऐलान किया है। ऑस्कर अवॉर्ड के आयोजक 'एकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज' ने इस फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग का ऐलान किया है। आशुतोष गोविरकर के डायरेक्शन में बनी फिल्म 'जोधा अकबर' की मार्च में स्पेशल स्क्रीनिंग होगी। फिल्म में ऋतिक रोशन अकबर की भूमिका में नजर आए थे। वहीं, ऐश्वर्या राय जोधा बनी थीं। यह फिल्म 15 फरवरी, 2008 को रिलीज हुई थी। फिल्म के बजट की बात करें तो रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म का बजट करीब 40 करोड़ था। फिल्म के 17 साल पूरे होने पर डायरेक्टर आशुतोष गोविरकर ने कहा, "जोधा अकबर के 17 साल पूरे होने पर मैं दर्शकों का बहुत आभारी हूं. लोगों ने इसे अपनी यादों में संजोए रखा और प्यार जताया। फिल्म की रिलीज से लेकर ऑस्कर में इसकी स्पेशल स्क्रीनिंग तक, इसमें शामिल सभी लोगों के शानदार काम की वजह से ये फिल्म सफल हो सकी है।" बता दें, ऐश्वर्या राय ने फिल्म में जो लहंगा पहना था उसे हाल ही में एकेडमी ने मोशन एक्जीबिशन के लिए रखा था। ऐश्वर्या राय का वो लहंगा मशहूर डिजाइनर नीता लुल्ला ने डिजाइन किया था। 'जोधा अकबर' में डायरेक्टर ने दोनों के बीच के रिश्ते की कहानी को कैमरे के जरिए दिखाया था। फिल्म अपने भव्य सेट से लेकर शानदार कॉस्ट्यूम और कलाकारों की एक्टिंग की वजह से खूब चर्चा में आई थी। इस फिल्म की आईएमडीबी रेटिंग 7.5 है।

इंटेंस अवतार में दिखेंगे कार्तिक आर्यन

डायरेक्टर महेश भट्ट की सुपरहिट रोमांटिक फिल्म 'आशिकी' हम सभी ने देखी है। उस फिल्म की कहानी से ज्यादा, लोग उसके गानों के फैन रहे हैं। शायद यही वजह है कि उस फिल्म के सभी गाने सुपरहिट साबित हुए हैं। फिर कई सालों के बाद इस लेगेसी को फिल्म 'आशिकी 2' से आगे बढ़ाया गया। उस फिल्म को भी उतना ही प्यार मिला जितना पहले वाली फिल्म को मिला था। अब कार्तिक आर्यन की नई फिल्म का फर्स्ट लुक रिलीज हो गया है। इसने 'आशिकी 3' पर चल रही अफवाहों को और हवा दे दी है। बताया जा रहा था कि डायरेक्टर अनुराग बसु और कार्तिक आर्यन साथ मिलकर फिल्म 'आशिकी 3' में काम करने वाले हैं। इस फिल्म के चर्चे खूब हो रहे हैं और इसपर अफवाहें भी खूब आ रही हैं। हाल ही में खबर आई थी कि फिल्म में कार्तिक के साथ 'एनिमल' फेम एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी होंगी। लेकिन फिर तृप्ति इस प्रोजेक्ट से बाहर हो गईं। तृप्ति के जाने के पीछे की असली वजह अभी तक सामने नहीं आई है। हालांकि इस बीच कार्तिक आर्यन की नई फिल्म का ऐलान जरूर हो गया है। माना जा रहा है कि यही 'आशिकी 3' होगी। टी-सीरीज ने कार्तिक आर्यन की अगली फिल्म का ऑफिशियल फर्स्ट लुक रिलीज कर दिया है। फिल्म में कार्तिक के साथ 'पुष्पा 2' की 'किसिक गर्ल' यानी श्रीलीला रोमांस करती नजर आएंगी। फर्स्ट लुक वीडियो की शुरुआत कार्तिक के लंबे बालों और दाढ़ी वाले इंटेंस लुक से होती है। उनके हाथों में गिटार है और वो पहली फिल्म 'आशिकी' का सुपरहिट गाना 'तू मेरी जिंदगी है' गाते नजर आ रहे हैं। विशाल मिश्रा की आवाज में चल रहा ये गाना पूरे टीजर में कार्तिक और श्रीलीला की केमिस्ट्री को दर्शाता है।

दादू रणधीर के बर्थडे में पहुंची रणबीर-आलिया की लाडली

रणधीर कपूर ने 15 फरवरी को अपना 78वां जन्मदिन मनाया। रणधीर कपूर के बर्थडे पर कपूर फैमिली ने बड़ी सी स्टार स्टडेड पार्टी होस्ट की, जिसमें कई सेलिब्रिटी शामिल हुए। अभिनेता के जन्मदिन पर उनकी स्टार बेटियों करीना-करिश्मा से लेकर उनकी बेस्ट फ्रेंड्स मलायका अरोड़ा और अमृता अरोड़ा सहित कई सेलिब्रिटी पहुंचे। हालांकि, आलिया भट्ट और रणबीर कपूर इस पार्टी में नजर नहीं आए, लेकिन कपल की बेटी राहा कपूर जरूर अपनी दादी नीतू कपूर के साथ इस पार्टी का हिस्सा बनीं। कपूर फैमिली ने बहुत ही धूम-धाम के साथ रणधीर कपूर का जन्मदिन सेलिब्रेट किया। पूरे कपूर परिवार के साथ-साथ कई बड़े सेलिब्रिटी रणधीर कपूर का जन्मदिन सेलिब्रेट करने पहुंचे, लेकिन जिसकी सबसे ज्यादा चर्चा रही वह थीं आलिया भट्ट और रणबीर कपूर की बेटी राहा की, जो सज-धजकर अपने बड़े दादू का बर्थडे मनाने पहुंचीं। इस दौरान रणबीर-आलिया की लाडली ने सफेद फ्रॉक पहनी थी, जिसमें वह बेहद क्यूट लग रही थीं। पैपराजी द्वारा शेयर किए गए वीडियो में नीतू कपूर कार से बाहर निकलते देखी जा सकती हैं, जबकि राहा कपूर अपनी नैनी की गोद में दिखाई दे रही हैं। रणबीर-आलिया की बेटी एक खूबसूरत सफेद फ्रॉक में बहुत प्यारी लगीं। व्हाइट फ्रॉक के साथ राहा ने व्हाइट स्नीकर्स पहने थे और सबको उत्सुकता से निहारती दिखीं।

दूसरी बार मां बनने जा रहीं इलियाना फैंस के साथ शेयर की खुशखबरी

बॉलीवुड एक्ट्रेस इलियाना डिक्रूज के घर नन्हा मेहमान आनेवाला है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर करके फैंस को बताया कि वो प्रेग्नेंट हैं। इलियाना डिक्रूज दूसरी मां बनने जा रही हैं। जनवरी एक को अपने फैंस को न्यू ईयर विश करने के लिए इलियाना ने एक वीडियो पोस्ट किया था। उस वीडियो में इलियाना ने हिंट किया था कि वो प्रेग्नेंट हैं। अब इलियाना ने अपनी प्रेग्नेंसी कंफर्म कर दी है। शनिवार को इलियाना ने अपनी स्टोरी पर कुरकुरे और एक टम्स का पैकेट शेयर किया। इस तस्वीर के साथ इलियाना ने कैप्शन लिखा- "मुझे बताए आप प्रेग्नेंट हैं, बिना ये कहे कि आप प्रेग्नेंट हैं।" इसी के साथ इलियाना ने कंफर्म कर दिया की वो दूसरी बार प्रेग्नेंट हैं। इलियाना ने न्यू ईयर पर जो वीडियो शेयर किया था उसमें उनके बेटे कोआ फीनिक्स डोलन और पति माइकल डोलन के साथ बिताए कुछ खूबसूरत पलों की झलक दिखाई थी। इस क्लिप में इलियाना एक जगह पर भावुक नजर आती हैं, साथ ही उनके हाथ में प्रेग्नेंसी टेस्ट किट थी। इस वीडियो के बाद ही चर्चा हो रही थी कि इलियाना दूसरी बार प्रेग्नेंट हैं। हालांकि, इलियाना ने उस वक्त प्रेग्नेंसी कंफर्म नहीं की थी। इलियाना डिक्रूज ने साल 2023 में माइकल डोलन से शादी रचाई थी। इलियाना ने एक अगस्त, 2023 को अपने बेटे का स्वागत करते हुए उसकी पहली तस्वीर शेयर की थी। अब वो दूसरी बार मां बनने जा रही हैं। इलियाना के काम की बात करें तो पिछले साल उनकी फिल्म दो और दो प्यार रिलीज हुई थी। इस फिल्म में विद्या बालन भी मुख्य भूमिका में नजर आई थीं।

द स्टोरीटेलर : कला और बाज़ार के बीच का संघर्ष

सत्यजित राय की कहानी 'गल्पो बोलिये तरिणी खुरो' पर आधारित अनंत महादेवन की फ़िल्म 'द स्टोरीटेलर' (2025) असली मेहनत और पूँजीवाद के बीच के संघर्ष को केंद्र में रखती है। इस फ़िल्म में दो बिल्कुल विपरीत व्यक्तित्वों की कहानी है। एक तारिणी बंद्योपाध्याय (परेश रावल) है, जो एक वृद्ध बंगाली कहानी कहने वाला है, जिनके विचारों से कम्युनिस्ट या साम्यवादी विचारों का है। दूसरा प्रमुख पात्र रतन गरोडिया (अदिल हुसैन) है जो एक धनी गुजराती व्यापारी, जो अनिद्रा के कारण वर्षों से सोया नहीं है। उनकी परस्पर विरोधी दुनियाओं से यह स्पष्ट होता है कि मुनाफ़ा कमाने की लालसा से चलने वाली व्यवस्था में रचनात्मकता का कैसे शोषण होता है। यह फ़िल्म सिर्फ़ मनोरंजन नहीं करती, बल्कि गहरे सवाल उठाती है। कहानी पर असली हक़ किसका होता है? श्रेय किसे मिलता है? और एक रचनाकार अपनी कला के शोषण के खिलाफ़ कैसे लड़ता है।

द स्टोरीटेलर में, यह दिखाया गया है कि कला का कैसे इस्तेमाल किया जाता है और गलत तरीके से कलाकारों का फ़ायदा कैसे उठाया जाता है। तारिणी, जो बंगाली साहित्यिक परंपरा से आने वाला एक खुशमिजाज उत्साही कथाकार है, सबको अपनी नई-नई कहानियां सुनाता रहता है, उसे अहमदाबाद के एक कपड़ा व्यापारी—रतन गरोडिया—उसकी अनिद्रा दूर करने के लिए और नींद या सके इसलिए कहानियाँ सुनाने के लिए नौकरी पर रखता है। शुरुआत में यह एक साधारण सा समझौता लगता है, लेकिन जल्द ही रतन का असली चरित्र सामने आ जाता है। अमीर होने के बावजूद, रतन अपनी बुद्धिमान और सुसंस्कृत महिला मित्र, सरस्वती (रेवती) को पैसे से प्रभावित नहीं कर पाता। उसका प्रेम पाने के लिए और उसकी नजरों में अपनी छवि निखारने के लिए, वह तारिणी की नवीन मौखिक कहानियों को चुराकर 'गुज्जू गोर्की' के छद्म नाम से प्रकाशित करता है और कम समय में ही मशहूर हो जाता है। यह बौद्धिक चोरी साफ़ दर्शाती है कि पूँजीवादी व्यवस्था कैसे रचनात्मक लोगों—घोस्टराइटर्स, कलाकारों, मज़दूरों— की कला का नफ़ा कमाने के लिए शोषण करती है।

फिल्म में कोलकाता की बंगाली संस्कृति और अहमदाबाद की गुजराती संस्कृति के बीच तुलना की गई है। तारिणी के कोलकाता में परंपरा और जीवन का उल्लास है—मछली बाज़ार, ऐतिहासिक इमारतें, और पीढ़ियों से चली आ रही कहानियाँ। यहाँ, कहानी सुनाना मिल्कियत नहीं बल्कि पूरे समुदाय की धरोहर है। इसके विपरीत, अहमदाबाद में रतन का महल पूँजीवाद की निर्ममता को दर्शाता है—महँगे फर्नीचर, बिना पढ़ी किताबों से भरी अलमारियाँ, और पिकासो के प्रिंट्स जैसी कलाकृतियाँ, जो सिर्फ़ दिखावे के लिए हैं। फिल्म इस 'संस्कृति' पर कटाक्ष करती है, जहाँ कला और कहानियों की आत्मा खोकर उन्हें सिर्फ़ बिक्री के लिए पैकेज किया जाता है। पूँजीवाद विभिन्न संस्कृतियों को एकसमान बाज़ारू रूप में बदल देता है, उनकी विशिष्टता को मिटाता है। शुद्ध शाकाहारी रतन, जो अपने विरोधाभासी व्यवहार के लिए जाना जाता है, अपने नौकर से पूछता है, 'क्या तूने मछलियों को दाना दिया', और क्या उसने दाने को (तारिणी) मछली दी? तारिणी कि जो कीमत पूंजीपति के मन है उस नज़रिये को उजागर करता है। कोलकाता का सामूहिक आनंद और अहमदाबाद के महल की खालीपन इस अंतर और संघर्ष के प्रतीक हैं।

इस फ़िल्म में, एक बिल्ली है जिसका प्राकृतिक पसंदीदा भोजन मछली है। उसे हमेशा शाकाहारी खाना खाने के लिए मजबूर किया जाता है। मौका मिलते ही बिल्ली मालिक की मछली टंकी से चुपके से मछलियाँ चुराकर खा लेती है। बिल्ली का यह संघर्ष—प्राकृतिक इच्छाओं और सामाजिक नियमों के बीच का तनाव—एक रूपक है। शाकाहारी भोजन खाद्य पदार्थों की सांस्कृतिक दमन का प्रतीक है, जबकि चुराई गई मछली स्वयं की पहचान और आज़ादी को दर्शाती है। तारिणी, जो बिल्ली के स्वभाव को समझता है, उसे मछली खिलाता है। वह अहमदाबाद छोड़ते समय बिल्ली को कोलकाता ले जाता है। यह दृश्य फ़िल्म में सांस्कृतिक दबाव और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के बीच के संघर्ष को प्रतीकात्मक रूप से दर्शाता है। बिल्ली की कहानी, तारिणी और रतन के संबंधों का एक दर्पण है, जहाँ रचनात्मकता का शोषण और मुक्ति दोनों दिखाई देते हैं। अहमदाबाद से कोलकाता की यात्रा सांस्कृतिक पहचान की वापसी को दर्शाती है।

इस फ़िल्म में महिला पात्रों को स्वतंत्र और बलवान दिखाया गया है। विधवा सरस्वती (रेवती) बुद्धिमान हैं और उनके अपने नैतिक मूल्य हैं। वह अपने सिद्धांतों पर अडिग रहती हैं। रतन की चोरी का पता चलने पर वह कहती हैं, 'मैं व्यापारी के सिद्धांतों को स्वीकार कर सकती थी, पर चोर के नहीं,' और उसे शुभकामनाएँ देकर चली जाती हैं। इस पल में अमीर रतन कमज़ोर और असहाय नज़र आता है। सरस्वती भौतिक संपत्ति से ज़्यादा ज्ञान और बुद्धि को महत्व देती हैं। लाइब्रेरियन सूजी (तनिष्ठा चटर्जी) को भी आत्मविश्वासी दिखाया गया है, और उसका दुनिया को देखने का अपना नज़रिया है। तारिणी की दिवंगत पत्नी की याद, जिसने उसे लिखने के लिए एक कलम दिया था, प्रेरणा का एक स्थायी स्रोत बन जाती है। यह इस बात को उजागर करता है कि कला और रचनात्मकता पर महिलाओं का प्रभाव कितना शक्तिशाली होता है। ये महिलाएँ पुराने साहित्य की दयनीय पात्र नहीं, बल्कि सत्यजित राय के प्रगतिशील दृष्टिकोण से बनी मज़बूत चरित्र हैं, जो कहानी को एक समृद्ध और सकारात्मक आयाम देते हैं। महिला पात्र सांस्कृतिक रूढ़ियों को तोड़ती हैं और स्वायत्तता व नैतिकता के प्रतीक बनती हैं। सरस्वती का रतन को छोड़ना सिद्धांतों की जीत और भौतिकवाद की सीमाओं को दर्शाता है। तारिणी की पत्नी का कलम रचनात्मकता की विरासत है, जो लैंगिक भूमिकाओं के पारंपरिक ढाँचे को चुनौती देती है।

इस फ़िल्म का प्रभाव उसके मुख्य कलाकारों के कारण और बढ़ जाता है। परेश रावल तारिणी की भूमिका में शानदार अभिनय करते हैं। जब तारिणी को रतन की धोखाधड़ी का पता चलता है, तो वह सोच-समझकर और शांति से तीन-चार महीने तक उसके घर में रहकर उसे सबक सिखाते हैं। तारिणी बग़ावत करते हैं, और धोखे का शांत प्रतिरोध करते हैं। एक सामान्य इंसान होने के बावजूद, तारिणी के पास समय देने वाले, स्नेही और गप्पें मारने वाले कॉमरेड साथी-मित्र हैं। वहीं दूसरी ओर, रतन एक अकेले अमीर आदमी की भूमिका में नज़र आता है। आदिल हुसैन ने रतन गरोडिया के रूप में, अपनी ही असुरक्षा में फँसे एक पूँजीपति की भूमिका को बखूबी निभाया है।

द स्टोरीटेलर सिर्फ़ सत्यजित रे के क्लासिक की पुनरावृत्ति है। यह हमें मुनाफ़े से चलने वाले समाज में कला की भूमिका को फिर से सोचने पर मजबूर करता है। यह फिल्म दिखाती है कि कैसे पूँजीवादी व्यवस्था रचनात्मक श्रम का शोषण करती है और उसके मूल्य को गिराती है। कलात्मक प्रामाणिकता इन पूँजीवादी दबावों का साहसपूर्वक मुकाबला कर सकती है। अंत में, तारिणी और रतन एक-दूसरे की कहानियाँ लिखने लगते हैं- तारिणी अपनी बौद्धिक संपदा बचाने के लिए लिखता है, तो रतन भी लेखन की ओर मुड़ता है। तारिणी और रतन का लेखन शुरू करना सृजन की सार्वभौमिकता को दिखाता हुआ फिल्म का अंत परिवर्तन की संभावना पर ज़ोर देता है, पर साथ ही यह भी संकेत करता है। दोनों बदलते हैं, लेकिन यह बदलाव एक आदर्शवादी समाप्ति की ओर ले जाता है, जो सवाल छोड़ जाता है- क्या पूँजीवाद और कला का यह संघर्ष वास्तव में इतना सरल है?

द स्टोरीटेलर में जब तारिणी अंततः अपनी पहचान स्थापित करने के लिए अपनी कहानियाँ लिखना शुरू करता है, तो वह अपनी रचनात्मकता पर नियंत्रण पाने की दिशा में कदम बढ़ाता है। यह फिल्म इसी संघर्ष के बारे में है। जब तारिणी व्यंग्यपूर्वक कहता है, 'नकल करने के लिए भी अकल लगती है,' तो वह एक ऐसी दुनिया का मज़ाक उड़ाता है जहाँ कल्पना चुराना, उसे रचने से ज़्यादा आसान है। द स्टोरीटेलर बाज़ारवाद के चंगुल से रचनात्मकता को वापस छीनने और मेहनतकशों को न्याय दिलाने की एक कहानी है।

– कल्पना पांडे

विधायक ने नोएडा में किया रैनीवेल का उद्घाटन

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा विधानसभा क्षेत्र से विधायक पंकज सिंह ने सैक्टर-15ए के सामने ग्रीन एरिया में रैनीवेल संख्या-9 का उद्घाटन किया गया। यह रैनीवेल विगत कई वर्षों से अक्रियाशील था, भारत सरकार की संस्था वैप्कॉस लि0 से परामर्श के उपरान्त उसका पूर्ण रूप से सुदृढ़ीकरण कर क्रियाशील कर दिया गया है। इस रैनीवेल से लगभग 12-14 शा.9 पानी प्राप्त किया जा सकेगा। जिसकी टी0डी0एस0 वैल्यू 350-360 के मध्य है। इससे नौएडा के 10-12 सैक्टरों में मिश्रित जलापूर्ति प्रदान की जा सकेंगी।

नोएडा विधानसभा क्षेत्र से विधायक पंकज सिंह ने सैक्टर-15ए में ग्रीन एरिया में बने 9वें रैनीवेल का उदघाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि नोएडा वासियों को जलापूर्ति में किसी तरह की कोई परेशानी न आए इसके लिए प्राधिकरण ने इसे क्रियाशील किया है।

इस मौके पर महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता, सांसद प्रतिनिधि संजय बाली, भाजपा महामंत्री डिम्पल आनंद, महेश अवाना, भाजपा के महामंत्री उमेश त्यागी, गणेश जाटव, नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ सतीश पाल, महाप्रबंधक (जल) आर.पी. सिंह, समेत अन्य अधिकारी मौजूद थे।

दुनिया में बजेगा जेवर का डंका : धीरेन्द्र सिंह

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा के पास स्थित जेवर का

आने वाले दिनों में डंका बजेगा। एयरपोर्ट के साथ ही जेवर को बेहतर सड़क व रेल मार्ग से जोड़ा जाएगा। जेवर एयरपोर्ट के शुरू हो जाने के बाद क्षेत्र की तस्वीर बदल जाएगी। जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने जेवर स्थित खंड विकास कार्यालय के प्रांगण में उपस्थित क्षेत्र के लोगों को संबोधित करते हुए यह बात कही।

उन्होंने कहा कि जेवर में बन रहे इंटरनेशनल एयरपोर्ट के शुरू होने की तैयारियां शुरू हो गई हैं। नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट लगभग अप्रैल माह में शुरू हो जाएगा। इसी को ध्यान में रखते हुए एयरपोर्ट से कनेक्टिविटी को बेहतर करने की प्रक्रिया चल रही है। आज जेवर ने जो मुकाम हासिल किया है, वह किसी से छुपा हुआ नहीं है।

जेवर विधायक ने कहा कि जेवर क्षेत्र में जो विकास कार्य चल रहे हैं, जिसका आने वाली पीढ़ियों का लाभ मिलेगा। इस क्षेत्र में आजादी के बाद से न तो आवागमन के कोई साधन थे और न हीं नौजवानों को रोजगार मुहैया होता था। लेकिन 2017 में उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद, जेवर क्षेत्र, प्रदेश ही नहीं अपितु पूरी दुनिया में अपनी पहचान स्थापित कर चुका है।

उन्होंने बताया कि नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से आने वाले अप्रैल माह में हवाई जहाज उड़ान भरने प्रारंभ हो जाएंगे, जिससे यहां और तेजी से विकास होगा। इस मौके पर जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने लोक निर्माण विभाग के लगभग 16 करोड रुपए की धनराशि की लागत के विशेष मरम्मत और नव निर्माण के तकरीबन 19 कार्यों का शुभारंभ किया गया।

इसके बाद जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने एसीपी जेवर सार्थक सेंगर, उपजिलाधिकारी विवेक कुमार भदोरिया, तहसीलदार श्रीमती तनुजा निगम और बिजली विभाग के अधिशासी अभियंता के साथ बैठकर क्षेत्रवासियों से सीधा संवाद किया।

मंदिर में लगाई फूलों से खाद बनाने वाली मशीन

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-22 एच ब्लॉक आरडब्ल्यूए एवं HCL फाउंडेशन के द्वारा, मंदिर के फूलों से खाद तक एक दिव्य पुनर्चक्रण यात्रा शुरू की गई है।

नोएडा के मनकामेश्वर शिव शक्ति सिद्ध विनायक बाबा बालक नाथ मंदिर, जी ब्लॉक सेक्टर 22 में एच ब्लॉक आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष प्रदीप वोहरा के प्रयासों और एचसीएल फाउंडेशन के सहयोग से मंदिर में अर्पित फूलों के अपशिष्ट से खाद बनाने की मशीन को स्थापित किया गया।

मंदिर में अर्पित किए गए फूलों का निष्पादन का अभी तक कोई सही समाधान नहीं हो पा रहा था। किंतु अब इस मशीन द्वारा इन फूलों से खाद बनाकर एक उचित कार्य होगा।

सेक्टर-22 के निवासियों की तरफ से महासचिव, सुमित कुमार, कोषाध्यक्ष MS रावत, उपाध्यक्ष, D S कटो, रमेश शर्मा, पंडित महिमानंद, श्याम सुंदर, ममता शर्मा, मंजू बर्थवाल, अन्नू गिरी एवं और भी कई सम्मानित निवासी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

एनटीपीसी में अनुदान हस्तांतरण समारोह का आयोजन

दादरी (चेतना मंच)। एनटीपीसी दादरी ने नैगम सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण अनुदान हस्तांतरण समारोह का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर के.सी. मुरलीधरन, मुख्य महाप्रबंधक एवं परियोजना प्रमुख, एनटीपीसी दादरी ने मनीष कुमार वर्मा, जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर को समीपवर्ती गांवों के विकास कार्यों हेतु अनुमोदित धनराशी 2,74,11,340 के मद में प्रथम किस्त का चेक सौंपा। यह अनुदान रानोली लतीफपुर, जैतवारपुर, ऊँचा आमीरपुर, रसूलपुर डासना, पियावली-ताजपुर, बदपुरा, जारचा, मुंथियानी और सिदीपुर गाँवों के विकास कार्यों हेतु प्रदान किया गया। इस अवसर पर ग्राम प्रधानगण एवं ग्राम सचिव भी उपस्थित रहे।

समारोह में जिले के अन्य वरिष्ठ अधिकारी, जिनमें विद्यानाथ शुक्ला (मुख्य विकास अधिकारी), मंगलेश दुबे (अपर जिला अधिकारी), राहुल पवार (बेसिक शिक्षा अधिकारी), एवं शशि भूषण (अधिशासी अभियंता - ग्रामीण अभियंत्रण विभाग) भी उपस्थित रहे। साथ ही, एनटीपीसी दादरी के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी इस महत्वपूर्ण अवसर पर मौजूद रहे।

इस अनुदान हस्तांतरण के पश्चात, एनटीपीसी दादरी द्वारा उच्च प्राथमिक विद्यालय, रसूलपुर डासना में नव निर्मित कक्षा-कक्षों एवं विद्यालय के जीर्णोद्धार कार्य का लोकार्पण किया गया। इस कार्यक्रम में मनीष कुमार वर्मा, जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर एवं के.सी. मुरलीधरन, मुख्य महाप्रबंधक, एनटीपीसी दादरी उपस्थित रहे व उन्होंने नवीन उच्च प्राथमिक विद्यालय भवन का उद्घाटन किया।

'पौधे देकर जगाई स्वच्छता की अलख'

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण के जन स्वास्थ्य विभाग द्वारा आवासीय क्षेत्रों में सफाई के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए स्थानीय निवासियों को पौधे देने की मुहिम चलाई जा रही है।

नोएडा क्षेत्र को स्वच्छता में अग्रणी शहर बनाने के लिए स्थानीय निवासियों का सहयोग बहुत ही आवश्यक है जिसके लिए जन स्वास्थ्य विभाग में अभियान छेड़ा हुआ है और सभी को एक-एक पौधा देकर जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है। प्राधिकरण के अधिकारी सेक्टरों में जाकर निवासियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक कर पौधा भेंट करते हैं।

द श्री राम यूनिवर्सल स्कूल में खेल दिवस का आयोजन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। द श्री राम यूनिवर्सल स्कूल में वसन्त मेले का उद्घाटन एवं वार्षिक खेल दिवस का आयोजन किया गया। खेल दिवस में स्कूल के छात्रों ने पूरे जोश के साथ हिस्सा लिया।

द श्री राम यूनिवर्सल स्कूल में उत्तराखंड संस्कृति को दर्शाने वाले तीन दिवसीय वसंत मेले का उदघाटन उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंदर सिंह रावत के द्वारा किया गया। तीन दिवसीय वसंत मेले में बच्चों के मनोरजन के लिए विभिन्न प्रकार के झूले एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम किये।

छात्रों द्वारा जैविक खादय पदार्थों की स्टाल्स भी लगाई गयी। विद्यालय में वार्षिक खेल दिवस का भी आयोजन किया। विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों ने मार्च पास्ट, विभिन्न प्रकार की दौड़ें और योगा सहित कई मनोरंजक एवं रोमांचक खेलों में भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि संदीप गुप्ता (द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता), सुश्री मधु आलूवालिया (वरिष्ठ सलाहकार/एनएबीईंटी), सुश्री गीतिका शर्मा (सहायक निदेशक/एनएबीइंटी), सुश्री अदीबा फ़ैज़ (सहायक निदेशक/एनएबीइटी), विद्यालय के अध्यक्ष बिजेंद्र सिंह (मुंशी जी), उपाध्यक्ष योगेंद्र सिंह, निदेशक निशांत सिंह, निदेशिका श्रीमती वंदना सिंह, निदेशिका श्रीमती शेफाली सिंह, निदेशक डॉ0 जय कुमार सिंह, प्रधानाचार्या श्रीमती ज्योति राणा एवं उप- प्रधानाचाया श्रीमती ज्योति रॉय उपस्थित रहे।